Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 11 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, मंगलवार 18 जून 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

जिस तिथि में अतिथि आता है वह तिथि हमें अहिंसा का उपदेश देती है।

The date on which we receive a guest, always reminds us of preaching nonviolaence.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री मोदी 18-19 जून को उत्तर प्रदेश और बिहार का दौरा करेंगे

दिल्ली (पीआईबी)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 18 और 19 जून, 2024 को उत्तर प्रदेश और बिहार का दौरा करेंगे। 18 जून को शाम 5 बजे प्रधानमंत्री उत्तर प्रदेश के वाराणसी में प्रधानमंत्री किसान सम्मान सम्मेलन में भाग लेंगे। शाम 7 बजे प्रधानमंत्री दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती में भाग लेंगे। रात 8 बजे वह काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना और दर्शन भी करेंगे। 19 जून को सुबह 9.45 बजे प्रधानमंत्री नालंदा के भग्नावशेष का दौरा करेंगे। सुबह 10.30 बजे प्रधानमंत्री बिहार के राजगीर में नालंदा विश्वविद्यालय के परिसर का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री आयोजित सभा को संबोधित भी करेंगे।

भारतीय नौसेना में शामिल होंगी आधुनिक तकनीक वाली छह पनडुब्बियां

दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय नौसेना स्पेन में 'प्रोजक्ट 75 भारत (पी75आई)' के तहत अत्याधुनिक उपकरणों का परीक्षण करने जा रही है। स्पेन की एक जहाज निर्माता (शिपयार्ड) कंपनी नवंतिया के अनुसार इस परीक्षण के बाद भारतीय नौसेना छह आधुनिक पनडुब्बियों को अपने बेड़े में शामिल करेगी। नवंतिया के चेयरमैन रिकार्डो डोमिंगुज गार्सिया बाकुएरो का कहना है कि स्पेन की सरकार और नौसेना पी75आई को लेकर काफी उत्साहित है।

रेल हादसा : कंचनजंगा एक्सप्रेस को मालगाड़ी ने पीछे से मारी टक्कर, 15 लोगों की मौत

कोलकात्ता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में बड़ा ट्रेन हादसा हुआ है। यहां रंगापानी स्टेशन के पास खड़ी कंचनजंगा एक्सप्रेस ट्रेन को मालगाड़ी ने पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कंचनजंगा एक्सप्रेस ट्रेन की तीन बोगियां बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गईं। हादसे में 15 लोगों की मौत की खबर है, वहीं कई यात्रियों के घायल होने की सूचना है। मौके पर तत्काल बचाव टीम पहुंची है। रेस्क्यू जारी है।

इस हादसे में कंचनजंगा एक्सप्रेस ट्रेन की पीछे की तीनों बोगियां बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई हैं। एक बोगी तो दूसरी बोगी के ऊपर आकर हवा में लटक गई। वहीं दूसरी बोगी ट्रैक पर पलटी दिखाई दी। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में सबसे ज्यादा नुकसान इन्हीं तीनों बोगियों को पहुंचा है। घटनास्थल पर अफरातफरी का माहौल है। बोगी में मौजूद घायल यात्री कराहते दिखाई दिए। रेस्क्यू टीम सभी को बाहर निकालकर अस्पताल भेजने में जुटी हुई है।

रेलवे के अधिकारियों ने कहा कि हादसे की जांच कराई जाएगी। मालगाड़ी ट्रेन के ड्राइवर से भी पूछताछ की जाएगी। क्या कोई तकनीकी समस्या की वजह से यह हादसा हुआ, इसका भी पता लगाया जा रहा है। शुरुआती में पता चला है कि सिग्नलिंग की समस्या के कारण मालगाड़ी उसी लाइन पर चली गई थी।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पश्चिम बंगाल के न्यू जलपाईगुड़ी में हुए ट्रेन हादसे में मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया है। इसकी घोषणा रेल मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए दी है। उन्होंने सोमवार को एक्स पर लिखा, पीड़ितों को बढ़ी हुई अनुग्रह राशि प्रदान की जाएगी; मृत्यु की स्थिति में 10 लाख रुपये और गंभीर रूप से चोटिल को 2.5 लाख रुपये और मामूली रूप से घायलों को 50,000 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। इससे पहले रेल मंत्री वैष्णव ने हादसे पर दुख जताते हुए एक्स पर लिखा कि रेलवे के एनएफआर जोन में दुर्भाग्यपूर्ण हादसा हुआ है। बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है। रेलवे, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ पूरे तालमेल के साथ काम कर रहे हैं। घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा रहा है।

मृतकों के परिजनों को 2 लाख और घायलों को 50 हजार की आर्थिक सहायता देने का ऐलान

वहीं कंचनजंगा एक्सप्रेस हादसे पर प्रधानमंत्री कार्यालय ने मृतकों के परिवार वालों को 2 लाख रुपये और घायलों की 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पर लिखा, प्रधानमंत्री मोदी ने घोषणा की है कि पश्चिम बंगाल में रेल दुर्घटना में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

परसेंडी रेलवे स्टेशन पर मालगाड़ी में लगी भीषण आग, इलाके में हड़कंप

सीतापुर। दिल्ली से असम जा रही मालगाड़ी के एक डिब्बे में सीतापुर के परसेंडी रेलवे स्टेशन पर सोमवार को अज्ञात कारणों से भयानक आग लग गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। क्योंकि डिब्बे में ग्रीस, मोबाइल, प्लास्टिक आदि सामान भरा हुआ था। रेलवे सूत्रों के अनुसार आग लगने के बाद आरपीएफ के इंस्पेक्टर मनोज कुमार और सब इंस्पेक्टर ओमप्रकाश गुर्जर ने फायर ब्रिगेड की मदद से काफी मेहनत और मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

बृजमोहन अग्रवाल ने विधायक पद से दिया इस्तीफा, कहा- नई ऊर्जा के साथ रायपुर लोकसभा और छत्तीसगढ़ के लिए काम करूंगा

रायपुर (विश्व परिवार)। जब जिम्मेदारियां बढ़ती हैं तो बहुत कुछ छोड़ना भी पड़ता है। 35 सालों से ज्यादा समय से मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ विधानसभा की कार्यवाही में शामिल रहने और राज्य के विकास और खुशहाली के लिए कार्य करने के बाद भाजपा के वरिष्ठ विधायक श्री बृजमोहन अग्रवाल ने सोमवार को विधायक पद से इस्तीफा दे दिया। बृजमोहन अग्रवाल ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह को उनके आवास पर जाकर अपना इस्तीफा सौंपा। इस अवसर पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि, आज विधायक पद से इस्तीफा देना मेरे लिए बहुत ही भावुक क्षण है।

जनता के प्यार और आशीर्वाद से पिछले 35 सालों से भी ज्यादा समय से विधायक रहा हूं। विधानसभा में मेरे पुराने और नए साथी हैं जो एक परिवार की तरह है। लेकिन नियमत: लोकसभा सदस्य चुने जाने के 14 दिनों के अंदर विधानसभा की सदस्यता से त्यागपत्र देना पड़ता है। इसलिए बड़े भारी मन से इस्तीफा दे रहा हूं। उन्होंने कहा कि, केंद्रीय नेतृत्व और रायपुर लोकसभा की जनता ने नई जिम्मेदारी दी है। नई ऊर्जा के साथ रायपुर लोकसभा और छत्तीसगढ़ के लिए काम करूंगा। अपनी जनता के लिए जैसे उनका मोहन था, आगे भी वैसा ही उनका मोहन रहेगा।

त्यागपत्र लेने के बाद विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने कहा कि, यह उनके लिए बहुत भावुक पल है। पिछले कई दशकों से बृजमोहन अग्रवाल के साथ काम किया। विधानसभा कार्यवाही के कुशल संचालन में बृजमोहन अग्रवाल जी से बहुत कुछ सीखने को मिला है। अब सदन में उनकी कमी खलेगी। साथ ही बृजमोहन अग्रवाल जी को सांसद सदस्य के रूप में नई जिम्मेदारी मिली है जिसके लिए वो बृजमोहन अग्रवाल को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हैं।

इस अवसर पर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडे, विधायक अजय चंद्राकर, पुरंदर मिश्रा, अनुज शर्मा, खुशवंत साहेब, राजेश मूणत, इंद्रजीत साहू, सुनील सोनी भी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री मोदी आज वाराणसी से पीएम-किसान के तहत लगभग 20,000 करोड़ रुपये की 17वीं किस्त जारी करेंगे

प्रधानमंत्री 30,000 से अधिक स्वयं सहायता समूहों को कृषि सखियों के रूप में प्रमाण पत्र भी प्रदान करेंगे

दिल्ली (पीआईबी)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 18 जून 2024 को पीएम-किसान योजना की 17वीं किस्त जारी करेंगे, जिसमें 9.26 करोड़ से अधिक किसानों को 20,000 करोड़ रुपये से अधिक का लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री कृषि सखियों के रूप में प्रशिक्षित 30,000 से अधिक स्वयं सहायता समूहों को पैरा एक्सटेंशन वर्कर के रूप में कार्य करने के लिए प्रमाण पत्र भी वितरित करेंगे।

इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान एवं कई राज्य मंत्री शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में 732 कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके), 1 लाख से अधिक प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों और देश भर के 5 लाख कॉमन सर्विस सेंटरों के 2.5 करोड़ से अधिक किसान शामिल होंगे।

50 चयनित कृषि विकास केंद्रों (केवीके) पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में किसान शामिल होंगे। इन केंद्रों पर कई केंद्रीय मंत्री भी आएंगे और किसानों से बातचीत करेंगे। किसानों को अच्छी कृषि पद्धतियों, कृषि क्षेत्र में नई उभरती प्रौद्योगिकियों, जलवायु अनुकूल कृषि आदि के बारे में भी जागरूक किया जाएगा। उन्हें यह भी सिखाया जाएगा कि वे अपने पीएम-किसान लाभार्थी की स्थिति, भुगतान की स्थिति आदि की जांच कैसे करें, किसान-ई-मित्र चैटबॉट का उपयोग कैसे करें। माननीय केंद्रीय मंत्री क्षेत्र की प्रशिक्षित कृषि सखियों को प्रमाण पत्र भी वितरित करेंगे। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 15 जून 2024 को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें उन्होंने भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि की महत्वपूर्ण भूमिका और किसानों के प्रति पीएम मोदी के अटूट सहायता के बारे में बताया।

मणिपुर को लेकर एक्शन में सरकार : गृहमंत्री शाह ने बुलाई उच्च स्तरीय बैठक

अमित शाह ने मणिपुर में शांति और सौहार्द बहाल करने के लिए केन्द्रीय बलों की रणनीतिक तैनाती करने को कहा

दिल्ली (पीआईबी)। केन्द्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज नई दिल्ली में मणिपुर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे, केंद्रीय गृह सचिव, इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के निदेशक, थल सेनाध्यक्ष (नामित) लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी, मणिपुर सरकार के सुरक्षा सलाहकार, असम राइफल्स के महानिदेशक, मणिपुर के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और सेना तथा गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने मणिपुर में सुरक्षा स्थिति की समग्र समीक्षा की और निर्देश दिया कि मणिपुर में हिंसा की कोई और घटना न हो। गृह मंत्री ने राज्य में शांति और सौहार्द बहाल करने के लिए केंद्रीय बलों की रणनीतिक तैनाती करने को कहा, साथ ही कहा कि आवश्यकता पड़ने पर केंद्रीय बलों की तैनाती बढ़ाई जाएगी। गृह मंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि हिंसा करने वालों के खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाए।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार मणिपुर के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। श्री अमित शाह ने राहत शिविरों की स्थिति, विशेष रूप से भोजन, पानी, दवाओं और अन्य बुनियादी सुविधाओं की उचित उपलब्धता के संबंध में समीक्षा की। गृह मंत्री ने मणिपुर के मुख्य सचिव को विस्थापित लोगों के लिए उचित स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाएं सुनिश्चित करने और उनके पुनर्वास का निर्देश दिया।

गृह मंत्री अमित शाह ने मौजूदा जातीय संघर्ष को सुलझाने के लिए समन्वित दृष्टिकोण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय जल्द से जल्द दोनों समूहों, मैतेई और कुकी से बात करेगी, ताकि दोनों समुदायों के बीच की खाई को पाटा जा सके। भारत सरकार राज्य में सुरक्षा स्थिति को मजबूत करने में मणिपुर सरकार का सक्रिय रूप से समर्थन कर रही है।

रायपुर के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने वर्षा पूर्व नगर निगम की तैयारियों की समीक्षा की

सभी 70 वार्डों के नालों में साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश

जल भराव की स्थिति से निपटने की हो पूरी तैयारी

रायपुर (विश्व परिवार)। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री तथा रायपुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप ने आज नगर निगम रायपुर के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर वर्षा पूर्व जल भराव तथा नालों के जाम से निपटने सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जलभराव क्षेत्रों का चिन्हांकन कर लिया गया है एवं बाढ़ आपदा से बचने हेतु नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत आने वाले सभी 70 वार्डों के नालों की साफ-सफाई हो जानी चाहिए। यदि जल भराव की स्थिति उत्पन्न हो तो इससे निपटने के लिए भी आवश्यक तैयारी कर ली जाए। उन्होंने कहा कि जोन के स्वास्थ्य अधिकारी और स्वास्थ्य निरीक्षक द्वारा जोन क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण कर स्थिति के ऊपर नजर रखा जाए।

नगर निगम रायपुर के अधिकारियों ने बैठक में बताया कि आपदा की स्थिति में सहायता के लिए 24×7 घंटे सेवा प्रदान करने के लिए आपातकालीन व्यवस्था की गई है। इसके लिए दूरभाष नंबर भी जारी किया गया है। दूरभाष नंबर 0771-2272101, 0771-2274101 जारी किया गया है। नगर पालिक निगम रायपुर की ज्वाईंट टीम तैयार कर ली गई है, जिसमें आपातकालीन व्यवस्था की गई है। बाढ़ नियंत्रण प्रकोष्ठ का मुख्यालय मोटर कर्मशाला कार्यालय टिकरापारा पुलिस थाना के पास रायपुर में बनाया गया है। जिसके लिये नोडल अधिकारी नियुकत किये गये हैं। श्री विनोद पाण्डेय प्रभारी अधिकारी मोबाइल नंबर +91-9424264100 एवं लिंक अधिकारी श्रीमती डॉ. तृप्ति पाणीग्रही मोबाइल नंबर +91-9691285715 है। मोटर कर्मशाला में श्री प्रदीप यादव कार्यपालन अभियंता मो.नं. +91-9301953219 होंगे । अतिवृष्टि की स्थिति में समस्त जोन आयुक्त बाढ़ नियंत्रण प्रकोष्ठ के प्रभारी के रूप में कार्य करेंगे।

निगम के अधिकारियों ने बताया कि आपदा से निपटने सभी आवश्यक सामाग्रियां (रेत के बोरे/ इक्वीपमेंट्स) मजदूरों की व्यवस्था की गई है। जो 3 पाली में जोन स्तर पर उपलब्ध रहेंगे। बाढ़ प्रभावित परिवारों के रहवास के लिये शालाओं का चयन कर लिया गया है, जहां प्रभावित पीड़ित परिवारों को रखा जाएगा। अतिवृष्टि होने पर सभी जोन में टूल्लू पंप के जरिये जलभराव से निपटने की व्यवस्था की गई है।

मंत्री ने बैठक में कहा कि वर्षा ऋतु में मौसमी बीमारी के मामले सामने आते हैं अत: ऐहितियातन मौसमी बीमारी से निपटने के लिए भी आवश्यक तैयारी कर ली जाए। अधिकारियों ने बताया कि मौसमी बीमारियों के संबंध में वर्षा ऋतु से पहले ही बैठक लेकर तैयारी की जा रही है।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ सतत समन्वय कर कार्य किया जा रहा है। निजी अस्पतालों को स्लम एरिया में कैंप करने निर्देशित किया गया है। निगम एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा एक काम्बैट टीम तैयार की गई है, जो किसी भी प्रकार की महामारी से निपटने के लिए तैयार है। स्लम एरिया का चिन्हांकन कर लिया गया है। बीएसयूपी के आस-पास तालाब वाले स्लम एरिया में जहां विगत तीन सालों में डायरिया, डेंगू आदि के प्रकरण मिले हैं। वहां एनसीडीसी की टीम के साथ सर्वे कर चिन्हांकित किया जा रहा है। तालाबों में गम्बूजिया मछली छोड़ी जा रही है, जो डेंगू एवं अन्य वेक्टर जनित मच्छरों के लार्वा को खा जाता है।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार
रायपुर, मंगलवार 18 जून 2024
www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री साय अपने चचेरे भाई नरेश चन्द्र साय के दशगात्र कार्यक्रम में शामिल हुए, पुष्पांजलि अर्पित कर किया नमन

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज अपने गृह जिले जशपुर के ग्राम बन्दरचुंआ पहुंचे। यहां वे अपने चचेरे भाई एवं जशपुर नगर पालिका के अध्यक्ष स्व. श्री नरेश चंद्र साय के दशगात्र कार्यक्रम में शामिल हुए। सपत्नीक उनके घर पहुंचकर मुख्यमंत्री साय ने उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने सभी परिजनों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि स्व. श्री नरेश चंद्र साय जी मेरे चचेरे भाई और पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. नरहरी साय जी के पुत्र थे। आज वे हमारे बीच नहीं हैं यह हमारे लिए दु:खद क्षण है। इस दु:ख की घड़ी में मैं दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता हूं। स्व. श्री नरेश चंद्र जी जशपुर नगर पालिका के अध्यक्ष थे। जनप्रिय नेता स्व. श्री नरेश जी क्षेत्र के विकास के लिये सदैव समर्पित रहते थे। उल्लेखनीय है कि विगत 06 जून को श्री नरेश चंद्र साय जी का निधन हो गया था।

बलौदाबाजार शहर में धारा 144 को 20 जून तक बढ़ाया गया, कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी ने जारी किया आदेश

रायपुर (विश्व परिवार)। नगर पालिका बलौदाबाजार सीमा क्षेत्र में शांति-व्यवस्था बनाए रखने हेतु कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा 10 जून से लागू धारा 144 को 20 जून की मध्य रात्रि तक के लिए बढ़ा दिया गया है। संयुक्त जिला कार्यालय परिसर में 10 जून 2024 को हुई घटना के परिप्रेक्ष्य में नगर पालिका बलौदाबाजार सीमा क्षेत्र में दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 के तहत धारा 144, 10 जून की रात्रि 9 बजे से 16 जून की मध्य रात्रि 12 बजे तक लागू किया गया था। नगर पालिका बलौदाबाजार सीमा क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री दीपक सोनी द्वारा दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 के अंतर्गत धारा 144 (1) एवं (2) के तहत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए धारा 144 की अवधि बढ़ाने का आदेश जारी किया गया है, जिसके तहत नगर पालिका बलौदाबाजार सीमा क्षेत्र में आगामी आदेश तक रैली या जुलूस पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। अन्य जिले अथवा बाहरी व्यक्तियों का 5 या उससे अधिक व्यक्तियों के समूह का नगर पालिका बलौदाबाजार सीमा क्षेत्र में प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। कोई भी व्यक्ति न तो किसी प्रकार का शस्त्र तलवार, फरसा, भाला, लाठी, चाकू, छुरा, कुल्हाड़ी, गुप्ती, त्रिशुल, खुकरी, सांग एवं बल्लम अथवा अन्य अस्त्र-शस्त्र लेकर सार्वजनिक स्थान पर नहीं निकलेगा। अपवाद स्वरूप जो व्यक्ति शासकीय कर्तव्य पर हैं, वे ड्यूटी के दौरान अस्त्र-शस्त्र धारण कर सकेंगे। ऐसे वृद्ध एवं दिव्यांग जो लाठी के बिना चलने में असमर्थ हैं, वे लाठी का प्रयोग कर सकेंगे।

योग दिवस की तैयारियां हुई प्रारंभ

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देश में जिले के विभिन्न स्थलों में विश्व योग दिवस की तैयारी जोर शोर से की जा रही है। इस सिलसिले में आयुष विभाग द्वारा स्थानीय स्तर में 14 विभिन्न स्थानों पर योग प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया जा रहा है। उक्त योगाभ्यास आज दिनांक से लेकर 21 जून तक किया जा रहा है जिसमें बच्चों, बुजुर्गों सहित आमजन बड़ी संख्या में शामिल हो रहे है। उक्त 14 स्थानों में जिले के ग्राम परसाडीह, निपनिया, खम्हरिया, डमरू, मोहरा देवसुंदरा, दतरेंगी, सीरियाडीह, दामाखेड़ा, रवान, रिकोकला, सालिहा, कसडोल एवं टुन्ड्रा नगर शामिल है।

मुख्यमंत्री साय के निर्देश पर सुकमा, बीजापुर और नारायणपुर जिले के तेन्दूपत्ता संग्राहकों को किया जाएगा नगद भुगतान

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सुकमा, बीजापुर और नारायणपुर जिलों में तेन्दूपत्ता संग्राहकों को पारिश्रमिक राशि का नगद भुगतान करने के निर्देश दिए हैं। इन जिलों में बैंकों की शाखाएं दूर-दूर हैं, इसलिए मुख्यमंत्री ने तेन्दूपत्ता संग्राहकों की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग को यह निर्देश जारी किए हैं। सुकमा, बीजापुर और नारायणपुर जिलों के हाट-बाजारों में कैम्प लगाकर तेन्दूपत्ता संग्राहकों को वर्ष 2024 में पारिश्रमिक राशि का नगद भुगतान किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री साय के निर्देशों के परिपालन में वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में विभाग द्वारा इस संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश मंत्रालय से जारी कर दिए गए हैं। सुकमा, बीजापुर और नारायणपुर जिलों के अलावा अन्य जिलों में तेन्दूपत्ता संग्राहकों को उनके खाते में पारिश्रमिक राशि का भुगतान किया जाता है।

इन जिलों में बैंकों की शाखाएं दूर होने की वजह से मुख्यमंत्री ने तेन्दूपत्ता संग्राहकों की सहूलियत की दृष्टि से दिए निर्देश

हाट-बाजारों में कैम्प लगाकर किया जाएगा नगद राशि का भुगतान

प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री व्ही. श्रीनिवास राव ने बताया कि वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा जारी निर्देश में कहा गया है कि समस्त नगद भुगतान की कार्यवाही जिला कलेक्टर के पर्यवेक्षण एवं नियंत्रण में सम्पन्न की जाएगी। नगद भुगतान के लिए कौन से संग्राहक पात्र होंगे, इसका निर्धारण कलेक्टर द्वारा किया जाएगा। प्रत्येक प्रकरण का नगद भुगतान कलेक्टर की अनुमति से होगा। प्रत्येक जिले में जिला कलेक्टर तथा वन मंडलाधिकारी एवं प्रबंध संचालक, जिला यूनियन द्वारा आपसी समन्वय से प्रस्तावित क्षेत्र के अंतर्गत हाट बाजार या अन्य उपयुक्त स्थान पर कैम्प का आयोजन कर संबंधित संग्राहकों को तेन्दूपत्ता संग्रहण कार्ड में उचित प्रविष्टि कर नगद भुगतान करते हुये पावती प्राप्त करेंगे। नगद भुगतान के पूर्व पर्याप्त प्रचार-प्रसार किया जाएगा तथा नगद भुगतान से संबंधित समस्त कार्य की संपूर्ण वीडियोग्राफी करते हुए प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाएगा। संबंधित जिला कलेक्टर के मार्गदर्शन में उपरोक्त कैम्प के दौरान संग्राहकों को आवश्यकतानुसार आधारकार्ड जारी करने, बैंक खाता खुलवाने हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। इस हेतु सी.एस.सी. स्थानीय बैंक आदि से आवश्यक सहयोग प्राप्त किया जाएगा। संग्राहकों द्वारा प्राप्त बैंक खाता विवरण के अनुरूप संग्राहक सर्वेक्षण साफ्टवेयर तेन्दूपत्ता पेमेंट साफ्टवेयर में आवश्यक पंजीयन आदि जिला यूनियन तथा सी.एस.सी. के माध्यम से कराया जाना सुनिश्चित किया जाएगा। संग्राहकों को पारिश्रमिक राशि के भुगतान की कार्यवाही 15 दिन के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।

ग्राम पंचायत कुर्रा के कार्यवाहक सरपंच डामेश साहू ने थामा बीजेपी का दामन

नवापारा राजिम (विश्व परिवार)। स्थानीय ग्राम पंचायत कुर्रा के कार्यवाह सरपंच डामेश साहू ने अभनपुर विधायक इंद्रकुमार साहू व पूर्व पालिका अध्यक्ष विजय गोयल की अगुवानी में भाजपा का दामन थाम लिया हैं. बकायादा नवनिर्वाचित सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने नवापारा से अभनपुर प्रस्थान में दौरान कुर्रा में उन्हें भाजपा का गमछा पहनाकर उनका स्वागत किया. ज्ञात हो कि शनिवार को नवनिर्वाचित रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल आभार व विजय रैली हेतु नवापारा पहुँचे थे. जहाँ उन्होंने अपने समर्थको के साथ नगर के सदर व गंज मार्ग में रैली निकालकर नवापारा की जनता का आभार जताया. इस अवसर श्री अग्रवाल ने कहाकि रायपुर लोकसभा का सांसद बनाने के लिए सम्पूर्ण लोकसभा क्षेत्र सहित नवापारा वासियो का मै ह्रदय से आभार प्रकट करता हूँ. जब तक वे सांसद हैं इस लोकसभा में विकास कार्य के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे और जितना हो सके नवापारा को आगे बढ़ाने के लिए कार्य करेंगे.

भाजपा प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन ने ली लगातार बैठक

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में आज छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन ने कोर कमेटी, भाजपा विधायक दल एवं सांसद दल की आवश्यक बैठक ली। बैठक में प्रमुख रूप से प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, विजय शर्मा, केंद्रीय मंत्री तोखन साहू, मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय सहित भाजपा प्रदेश पदाधिकारी, सांसद एवं विधायकगण मौजूद रहे।

बैठक के पश्चात भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी की अलग-अलग श्रेणियां की आवश्यक बैठक भाजपा प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन के नेतृत्व में संपन्न हुई। प्रथम बैठक कोर कमेटी, क्लस्टर प्रभारी, लोकसभा प्रभारी एवं लोकसभा संयोजक और सहसंयोजकों की हुई और दूसरी बैठक भाजपा विधायक दल की हुई जिसमें आगामी कार्य योजना को लेकर प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन जी का मार्गदर्शन सबको प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि 23 जून से लेकर 6 जुलाई तक भाजपा की सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम में सब की सहभागिता सुनिश्चित हो और संगठन की दृष्टि से संगठन स्तर पर और साथ ही साथ सरकार के स्तर पर भी करने की योजना बनाई गई है। योग दिवस कार्यक्रम माननीय मुख्यमंत्री जी के निर्देश पर प्रशासनिक स्तर पर यह कार्यक्रम मनाया जाएगा। योग दिवस के कार्यक्रम को भारतीय जनता पार्टी मंडल जिला एवं प्रदेश स्तर पर मनाएगी। इसके लिए कार्य योजना सुनिश्चित हो गई है और लोगों को जिम्मेदारी भी दी गई है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा कि यह बहुत ही ऐतिहासिक क्षण है लोकसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ की 11 लोकसभा सीटों में से भाजपा ने 10 में विजय श्री प्राप्त की है और छत्तीसगढ़ की जनता ने भाजपा पर फिर से भरोसा किया है। भारतीय जनता पार्टी के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने परिश्रम की पराकाष्ठा की है। एक निश्चित कार्य योजना बनाकर बूथ के, मंडल के, जिले के, सभी कार्यकर्ताओं ने समन्वय बनाकर कार्य किया है।

बैठक में सांसद महेश कश्यप, भोजराज नाग, संतोष पांडेय, रूपकुमारी चौधरी, राधेश्याम राठिया, श्रीमती कमलेश जांगड़े, चिंतामणि महाराज, मंत्री रामविचार नेताम, केदार कश्यप, ओपी चौधरी, लखन लाल देवांगन, श्यामबिहारी जायसवाल, टंक राम वर्मा, लक्ष्मी राजवाड़े, दयालदास बघेल आदि मौजूद रहे।

भाजपा के सभी जनप्रतिनिधि इस कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। इन कार्यक्रमों के लिए सभी को जिम्मेदारी दी जाएगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा कि 21 जून को योग दिवस की कार्यक्रम को

सचिव योजना एवं सांख्यिकी अंकित आनंद ने मंगनार-तुरेनार और कोड़ेनार ग्रामीण औद्योगिक पार्क का किया अवलोकन

महिला स्व-सहायता समूहों, उद्यमियों और पंचायत पदाधिकारियों से उत्पादक गतिविधियों के बारे में की चर्चा

जगदलपुर (विश्व परिवार)। राज्य शासन के योजना एवं सांख्यिकी विभाग के सचिव श्री अंकित आनन्द ने सोमवार को जिले के मंगनार, तुरेनार और कोड़ेनार स्थित ग्रामीण औद्योगिक पार्क का अवलोकन कर उत्पादक गतिविधियों में सलंग्न महिला स्व-सहायता समूहों तथा उद्यमियों से रूबरू होकर उनकी आर्थिक गतिविधियों के बारे में चर्चा की। वहीं पंचायत पदाधिकारियों से भेंटकर इन ग्रामीण औद्योगिक पार्क के अधोसंरचना एवं संचालन के सम्बंध में जानकारी ली। इस दौरान कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. और सीईओ जिला पंचायत श्री प्रकाश सर्वे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

सचिव श्री अंकित आनन्द ने जिले के बकावंड विकासखण्ड अंतर्गत मंगनार ग्रामीण औद्योगिक पार्क में मुरमुरा यूनिट, मिट्टी के बर्तन इकाई, दोना-पत्तल, पेपर कप और मसाला एवं अचार उत्पादन इकाई का अवलोकन किया तथा कच्चा माल की आपूर्ति, उत्पादन पश्चात विक्रय के सम्बंध में पूछा। इस दौरान मुरमुरा उत्पादन से जुड़े महिला समूह के सदस्यों ने बताया कि वे वर्तमान में कोण्डागांव से उसना चावल लाकर मुरमुरा तैयार करते हैं और स्थानीय बाजार में प्रत्येक माह 30 हजार रूपए तक का विक्रय कर रहे हैं। वहीं मिट्टी के बर्तन उत्पादन में लगे उद्यमी दीनबंधु नागवानी ने बताया कि वे स्थानीय तौर पर नयाखानी, दीपावली, दियारी त्यौहार और शादी-ब्याह के सीजन में हर महीने 20 से 30 हजार रूपए का विक्रय करते हैं। अभी वर्तमान में 5 से 6 हजार रूपए का ही बेच रहे हैं। दोना-पत्तल एवं पेपर कप उत्पादन करने वाले महिला समूह के सदस्यों हेमलता कश्यप व नीलिमा देवांगन ने बताया कि गत वर्ष करीब ढाई लाख रुपए का सामान विक्रय किये। इस साल भी अब तक लगभग 40 हजार रुपए की सामग्री विक्रय किये हैं। सचिव श्री अंकित आनन्द ने इस मौके पर गौठान में वर्मी कम्पोस्ट तैयार करने वाली महिला समूह के सदस्यों तथा सरपंच एवं अन्य पंचायत प्रतिनिधियों से भी चर्चा की। सचिव श्री अंकित आनन्द अपने प्रवास के दौरान जगदलपुर विकासखण्ड के तुरेनार ग्रामीण औद्योगिक पार्क में दोना-पत्तल, पेपर प्लेट और पोहा यूनिट, धूपबत्ती एवं अगरबत्ती उत्पादन इकाई, पेपर बैग-वूलन बैग इकाई, चावल एवं दाल उत्पादन इकाई, मसाला एवं अचार इकाई, लघु धान्य कोदो-कुटकी एवं रागी प्रसंस्करण इकाई का अवलोकन कर सम्बन्धित महिला समूहों से चर्चा की।

जशपुर जिला प्रशासन और यूनिसेफ के सहयोग से कैरियर गाइडेंस के प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

जशपुर नगर (विश्व परिवार)। कलेक्टर डॉ. रवि मित्तल के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन जशपुर और यूनिसेफ के द्वारा सभी सरकारी माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसी माह से स्कूलों में यह कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। आज 60 विद्यालयों के शिक्षकों को कैरियर गाइडेंस पर दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण संकल्प शिक्षण संस्थान जशपुर में दिया गया। 14 जून से प्रारंभ हुए इस प्रशिक्षण में यूनिसेफ की कंसलटेंट और ट्रेनर श्रीमती रंजू मिश्रा ने स्कूली विद्यार्थियों के साइकोमेट्रिक टेस्ट, कैरियर चयन में आने वाली चुनौतियां, कैरियर मार्गदर्शन कैसे करें, विद्यालय में इसका क्रियान्वयन के संबंध में प्रशिक्षण दिया। कलेक्टर डॉ रवि मित्तल को उन्होंने यूनिसेफ की ओर से कार्यक्रम आयोजन के लिए धन्यवाद दिया। शिक्षकों के आग्रह पर उन्होंने अपने कैरियर के विषय में बताया और कहा कि मैंने अपनी रुचि के अनुसार अपना जॉब चुना है, सभी विद्यार्थियों को इसके अवसर उपलब्ध होने चाहिए।

पहले दिन प्रशिक्षण में सीईओ जिला पंचायत अभिषेक कुमार ने प्रशिक्षु शिक्षकों से कहा कि किसी बच्चे का कैरियर उसके जीवन की दिशा तय करती है, इसलिए यह कार्य बहुत ही जिम्मेदारी से करना होगा। आप सभी प्रशिक्षण में बताए गए सभी बिंदुओं को ध्यान रखते हुए इसे अपने विद्यालय में लागू करें। वे चाहते हैं कि 12वीं के बाद प्रत्येक बच्चा हायर स्टडीज करें। जिले में पढ़ाई छोड़ने वाला एक भी विद्यार्थी शेष न रहे। जिला प्रशासन की ओर से यूनिसेफ को उन्होंने धन्यवाद दिया।

यशस्वी जशपुर के नोडल अधिकारी विनोद कुमार गुप्ता ने कहा कि पहले भी जशपुर जिले में करियर गाइडेंस से संबंधित कार्य किए गए हैं। इस प्रशिक्षण के बाद हमारा जिला और भी बेहतर करेगा। उन्होंने बताया कि इसके लिए जिला स्तर से एक मार्गदर्शिका और एक कैलेंडर जारी की जाएगी। कक्षा दसवीं के बाद सही विषय का चुनाव विद्यार्थियों के द्वारा किया जाना बहुत महत्वपूर्ण होता है। इसलिए शिक्षकों को विद्यार्थियों की गाइडेंस के साथ पालकों से भी बात करनी होगी। इसके साथ ही नोडल शिक्षक अपने विद्यालय में 12 वीं पास होने वाले विद्यार्थियों को अच्छे उच्च शिक्षण संस्थान में प्रवेश दिलवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायें तथा उसका विद्यालय स्तर पर रिकॉर्ड सन्धारित करें। कार्यक्रम में यशस्वी जशपुर के अवनीश पांडेय, मास्टर ट्रेनर संजय दास, मिथिलेश पाठक, विमल मनहर, सुश्री रेणू पाठक सम्मिलित रहे।

भावना बोहरा ने किया इंदौरी में जनसेवा ही भावना केंद्र का शुभारंभ

कहा- क्षेत्र के विकास और जनता की सेवा के लिए अपने कर्तव्यों को हमेशा पूरी करती रहूंगी

जनसेवा ही भावना केंद्र की स्थापना का हमारा उद्देश जनसंवाद से जन सुविधा और क्षेत्र के विकास के लक्ष्य को पूरा करना : भावना बोहरा

पंडरिया (विश्व परिवार)। जनता की सुविधा और समृद्ध पंडरिया के संकल्प के साथ विधायक भावना बोहरा द्वारा पंडरिया विधानसभा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। समाज सेविका के साथ ही एक जनप्रतिनिधि के रूप में भी जनता के हर सुख-दु:ख में साथ रहने वाली विधायक भावना बोहरा ने भावना दीदी की गारंटी में किये अपने संकल्प के तहत आज ग्राम इंदौरी में जनसेवा ही भावना सेवा सुविधा केंद्र (विधायक कार्यालय) का शुभारम्भ किया। इसके पूर्व भी भावना बोहरा ने क्षेत्र से प्रमुख विषयों और जनता के सुझाव व क्षेत्र के विकास हेतु वनांचल क्षेत्र कुकदुर, पंडरिया, पांडातराई एवं रणवीरपुर क्षेत्र में केंद्र का शुभारंभ किया इसी कड़ी में आज उन्होंने ग्राम इंदौरी भी इस केंद्र का शुभारंभ किया।

इस दौरान भावना बोहरा ने कहा कि इस केंद्र की स्थापना का हमारा मुख्य उद्देश जनता से सीधे संवाद और क्षेत्र से जुड़े प्रमुख विषयों को जानना है ताकि उसका सही समय पर उचित निराकरण हो सकते और जनता की समस्याओं के समाधान के साथ ही क्षेत्र का विकास भी सुनिश्चित हो सके। जनाकांक्षाओं की पूर्ति हो या समृद्ध व खुशहाल पंडरिया बनाने का हमारा जो संकल्प है उसे पूरा करने के लिए जनता के सहयोग व सुझाव को ध्यान में रखते हुए अपने कर्तव्यों को पूरा करने हम कटिबद्ध है। आज इंदौरी में इस केंद्र की स्थापना से क्षेत्रवासियों को उनके गाँव के नजदीक ही शासकीय योजनाओं की जानकारी व उसके लाभ के साथ ही स्थानीय मुद्दों, उनकी आवश्यकताओं व समस्यों का त्वरित निराकरण की सुविधा उन्हें मिलेगी, जिसके लिए उन्हें जिला अथवा तहसील कार्यालय आने-जाने की असुविधा नहीं उठानी पड़ेगी।

भावना बोहरा ने आगे कहा कि हमने विधानसभा चुनाव के समय भावना दीदी की गारंटी सेवा संकल्प पत्र में जनता की सुविधा हेतु विधानसभा के 7 प्रमुख स्थानों में इस केंद्र की स्थापना करने का जनता को भरोसा दिया था और आज मुझे खुशी है कि 5 स्थानों में हमने इस केंद्र की स्थापना कर दी है जहाँ कार्य भी शुरू हो चुका है और जल्द ही समय में बाकि दो स्थानों में भी इस केंद्र की स्थापना जल्द ही हो जाएगी जिसकी तैयारियां भी हमने शुरू कर दी है। हमारा लक्ष्य है कि जनता को मूलभूत सुविधाएँ और शासकीय योजनाओं का अधिक से अधिक मिल सके, सड़क, बिजली, पानी, स्वच्छता एवं क्षेत्र से जुड़े प्रमुख विकास कार्यों की जानकारी सीधे जनता से संवाद करने पर स्पष्ट रूप से सामने आते हैं साथी उनके निराकरण के लिए बेहतर सुझाव भी जनता के द्वारा हमें मिलते हैं जिसे पूरा करने का प्रयास हमेशा ही हमारी प्राथमिकता रहती है। हमें पूरा विश्वास है कि इस केंद्र की स्थापना से अब उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण होगा साथ ही मूलभूत सुविधाओं का विस्तार कर समृद्ध पंडरिया का हमारा संकल्प भी जन सहयोग व सुझाव से जरुर पूरा होगा। मैं सभी क्षेत्रवासियों को इसके लिए बधाई देती हूँ।

बलौदाबाजार शहर में धारा 144 को आज शाम 4 बजे से 20 जून तक बढ़ाया गया, कलेक्टर ने जारी किया आदेश

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। दिनांक 10 जून 2024 को संयुक्त जिला कार्यालय परिसर में हुई घटना के परिप्रेक्ष्य में संयुक्त जिला कार्यालय परिसर में कार्यरत अधिकारियों-कर्मचारियों सहित जिला मुख्यालय बलौदाबाजार के निवासियों में भय के वातावरण को देखते हुए संयुक्त जिला कार्यालय कार्यालयीन आदेश कमांक/367/एस.डब्ल्यू. /2024 बलौदाबाजार दिनांक 10 जून 2024 द्वारा दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 के अंतर्गत नगरपालिका बलौदाबाजार सीमा क्षेत्र में धारा 144 (1) एवं (2) दिनांक 10 जून 2024 की रात्रि 9.00 बजे से दिनांक 16 जून 2024 को मध्यरात्रि 12.00 बजे तक लागू किया था। जिसे बढ़ाकर आज दिनांक 17 जून 2024 को सायं 4.00 बजे से दिनांक 20 जून 2024 को मध्यरात्रि 12.00 बजे तक कर दिया गया है। उक्त धारा नगरपालिका सीमा क्षेत्र बलौदाबाजार में प्रभावशील होगा। पुलिस अधीक्षक बलौदाबाजार-भाटापारा द्वारा अपने प्रतिवेदन दिनांक 16 जून 2024 के माध्यम से घटना स्थल क्षेत्र संवेदनशील होने के कारण शांति एवं व्यवस्था बनाये रखने व शासकीय कार्य सुगमता से सम्पन्न कराये जाने के लिए संबंधित क्षेत्रों को धारा 144 (1) (2) द.प्र.सं.के अंतर्गत प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित करने बाबत् अनुरोध किया गया है। उपरोक्त कारणों के आधार पर नगरपालिका बलौदाबाजार सीमा क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु तत्काल कार्यवाही करना आवश्यक है। ताकि जिला मुख्यालय बलौदाबाजार के रहवासी भयमुक्त वातावरण में निर्भय होकर निवास कर सके। अत: उपरोक्त परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी दीपक सोनी द्वारा दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 के अंतर्गत धारा 144 (1) एवं (2) के तहत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए आदेश जारी किया है। जिसके तहत नगरपालिका बलौदाबाजार सीमा क्षेत्र में आगामी आदेश तक रैली या जुलूस पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। अन्य जिले अथवा बाहरी व्यक्तियों का 5 या उससे अधिक व्यक्तियों के समूह का नगरपालिका बलौदाबाजार सीमा क्षेत्र में प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। कोई भी व्यक्ति न तो किसी प्रकार का शस्त्र तलवार, फरसा, भाला, लाठी, चाकू, छुरा, कुल्हाड़ी, गुप्ती, त्रिशुल, खुकरी, सांग एवं बल्लम अथवा अन्य अस्त्र- शस्त्र लेकर सार्वजनिक स्थान पर नहीं निकलेगा। अपवाद जो व्यक्ति शासकीय कर्तव्य पर है ड्यूटी के दौरान अस्त्र-शस्त्र धारण कर सकेंगे। ऐसे वृद्ध / दिव्यांग जो लाठी के बिना चलने में असमर्थ है, वे लाठी का प्रयोग कर सकेंगे। चूंकि यह संकटकालीन तथा आपातकालीन स्थिति एकाएक उत्पन्न हुई है और किसी पक्ष या व्यक्ति को सुनवाई का अवसर देना संभव नहीं है। यह आदेश सर्व साधारण को संबोधित है एवं प्रत्येक जनसाधारण पर तामिल किया जाना संभव नहीं है। अत: यह आदेश दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 के अंतर्गत धारा 144 (2) के अंतर्गत समयाभाव के कारण सार्वजनिक हित को दृष्टिगत रखते हुए एकतरफा कार्रवाई कर पारित किया जाता है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com
पत्र क्र./11925/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 15-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11925
वार्ड का नाम- 50 - रानी दुर्गावती वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR445N00158** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SARITA AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DINESH AGRAWAL** केनाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ABHISHEK NAIK** पिता/पति, श्री/श्रीमती **JAWAHAR NAIK** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री दिनेश कोसरिया
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर मंगलवार 18 जून 2024

संक्रामक व जलजनित बीमारियों से बचाव के लिए करें सतत कार्यवाही, हो कीटनाशक दवाओं का छिड़काव, पेयजल की गुणवत्ता रहे सुनिश्चित - आयुक्त प्रतिष्ठा ममगाई

आयुक्त ने जलजनित व कीटजनित बीमारियों से बचाव हेतु सघन कार्यवाही किए जाने अधिकारियों को दिए निर्देश

कोरबा(विश्व परिवार)। आयुक्त सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने निगम के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि चूकि वर्षा ऋतु का आगमन हो चुका है, अत: इसे देखते हुए जलजनित व कीटजनित बीमारियों से बचाव हेतु त्वरित रूप से आवश्यक कार्यवाही करें, नालियों आदि में कीटनाशक दवाओं का छिड़काव व पाईप लाईनो के माध्यम से आपूर्ति किए जाने वाले पेयजल की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें, अन्य पेयजल स्त्रोतों की शुद्धता की भी आवश्यकतानुसार जांच कराएं तथा दूषित पानी पाए जाने पर तत्काल उसे उपचारित कर जल का शुद्धिकरण कराएं। आयुक्त सुश्री ममगाई ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि वर्षा ऋतु के दौरान संक्रामक व

जलजनित बीमारियों जैसे पीलिया, डायरिया, डिसेंटरी, डेंगू, मलेरिया, आदि की संभावनाएं बनी रहती है, इन बीमारियों से बचाव व सुरक्षा हेतु अभी से ही एहतियाती कदम उठाएं तथा आवश्यक कार्यवाही करें। उन्होने निगम के स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित करते हुए कहा है कि नालियों व अन्य जल ठहरने वाले स्थलों पर लगातार कीटनाशक दवाओं का छिड़काव सुनिश्चित करें, सफाई कार्यो व स्वच्छता पर कड़ी नजर रखें, वहीं जलप्रदाय विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए उन्होने कहा है कि जल प्रदाय हेतु स्थापित पानी टंकियों की सफाई, पाईप लाईनों में यदि लिकेज या टूट-फूट होता है तो तत्काल सुधार कार्य, सार्वजनिक नल व हैंण्डपम्पों की सफाई, हैंण्डपम्पों के जल को कीटाणु रहित करने ब्लीचिंग पाउडर आदि का उपयोग आदि की कार्यवाही कराएं। कीटनाशक दवाओं का छिड़काव - आयुक्त सुश्री ममगाई ने निर्देशित करते हुए कहा कि वर्षा ऋतु के दौरान कीटजनित बीमारियों की संभावना बनी रहती है, अत: मच्छरों आदि को पनपने व उनको बढ़ने से रोकने के लिए लगातार वार्ड, बस्तियों व आवासीय क्षेत्रों में कीटनाशक दवाओं का छिड़काव जारी रखें, लोगों के घरों में रखें हुए कूलरों का पानी प्रतिदिन बदला जाए, इस दिशा में लोगों को लगातार जागरूक करें, उन्हें समझाईश दें कि वे कूलर का पानी प्रतिदिन बदले, साथ ही उनके घर या आसपास में रखी हुई अपशिष्ट सामग्रियों में पानी का जमाव न होने पाएं, इस हेतु सजग रहें। आयुक्त ने की आमजन से अपील - आयुक्त सुश्री ममगाई ने आमनागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि जलजनित बीमारियों जैसे पीलिया डायरिया, डिसेंटरी व कीटजनित बीमारियों जैसे डेंगू, मलेरिया आदि से बचाव व सुरक्षा हेतु आवश्यक सावधानी बरतें, स्वच्छ पेयजल का उपयोग करें, घरों में मच्छरों को न पनपने दें, कूलर, छत व घर के आसपास पानी जमा न होने दें, कूलर पानी की टंकी, खाली टायर, फूलदान, छत में रूका बरसाती पानी सहित अन्य अपशिष्ट वस्तुओं में रूका हुआ बरसाती पानी नियमित रूप से खाली कराएं ताकि मच्छरों के पैदा होने व उनके पनपने का अवसर न मिले, घरों के दरवाजे व खिड़कियों में जाली, परदें लगाएं, सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें, मच्छरनाशक दवाओं का छिड़काव कराएं। कीटनाशक दवाओं का छिड़काव जारी - निगम के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी ने बताया कि आयुक्त के निर्देशानुसार वार्डवार रोस्टर तैयार कर नालियों, जलस्त्रोतों के आसपास तथा अन्य आवश्यक स्थलों पर निगम द्वारा कीटनाशक दवाओं का छिड़काव प्रारंभ कर दिया गया है ताकि मच्छरों आदि के पनपने व उनको बढ़ने से रोका जा सके।

दो दोस्तों के बीच विवाद को लेकर खूनी संघर्ष युवक की हालत गंभीर, आरोपी फरार

कोरबा(विश्व परिवार)। उरगा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम तरदा में खूनी संघर्ष की घटना सामने आई। दो दोस्तों के बीच हुए विवाद के गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है हालात ऐसे हो गया है जैसे कभी भी कोई बड़ी घटना घट सकती है। ग्रामीणों की मदद से घायल को जिला मेडिकल कॉलेज कराया गया भर्ती है जिंदगी और मौत से जूझ रहा युवक को की हालत गम्भीर है। बताया जा रहा है कि गोलू नामक युवक का गांव ही रहने वाले किसी दूसरे युवक के साथ विवाद चल रहा था दोनों के विवाद को निपटने के लिए तीसरा युवक राम प्रसाद मौके पर पहुंचा जहां काफी समझाइए के बाद गोलू ने उसके ऊपर ही धारदार हथियार से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया यह विवाद गांव के बीच बस्ती में चल रहा था लेकिन किसी की हिम्मत नहीं थी कि उसे विवाद को रोक सके एक के बाद एक बार बार वार करते क्या जहां युवक खून से लखपत गांव के बीच सड़क पर पड़ा हुआ था घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए ग्रामीणों की मदद से घायल को किसी तरह जिला मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। जहां उसकी हालत बेहद गंभीर बनी हुई है। घायल राम प्रसाद की पत्नी नंदनी ने बताया कि वह घर पर काम कर रही थी इस दौरान उसे जानकारी मिली कि उसके पति पर गांव में ही रहने वाले युवक ने धारदार हथियार से हमला कर दिया है जहां मौके पर पहुंची तो वह बेहोशी की हालत में पड़े हुए थे किसी तरह उसे अस्पताल लाया गया विवाद कब कैसे और किस बात को लेकर हुई है यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है लेकिन ग्रामीणों की माने तो गांव में रहने वाले गोलू और किसी बात को लेकर शराब के नशे में विवाद कर रहे थे इस दौरान बीच बचाव करने गए हुए थे और इस पर हमला कर दिया। इस घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है और इसके सूचना उरगा पुलिस को अब तक नहीं है। जिला अस्पताल चैकी प्रभारी ने बताया कि जिला मेडिकल कॉलेज से मिले मेमू के आधार पर परिजनों का बयान दर्ज किया गया है और आगे की जांच करवाई की जा रही है।

युवती की संदिग्ध परिस्थिति में मिली लाश पति को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कोरबा(विश्व परिवार)। शहर के मोती सागरपारा बस्ती में एक महिला की घर में संदिग्ध परिस्थिति में लाश मिली. लाश मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया. घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को अपने कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. वहीं संदेही पति को पुलिस ने हिरासत में लिया है. जानकारी के अनुसार, कोरबा के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत मोती सागरपारा बस्ती में शुक्रवार देर शाम को एक महिला की संदिग्ध अवस्था में घर के कमरे में लाश मिली. पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए मृतका के पति को हिरासत में लिया है और पूछताछ कर रही है. मृतिका पूजा बरेठ (22 वर्ष) मोती सागर पारा की रहने वाली थी. जिसकी दोस्ती दो साल पहले राजेंद्र गोड़ उर्फ ??लूडो से हुई थी. दोस्ती प्यार में बदल गई और बात शादी तक पहुंच गई. दोनों ने प्रेम विवाह कर पारिवारिक जीवन जी रहे थे. शादी से उनका एक लड़का भी हुआ जो डेढ़ साल का है. मृतका के परिजनों का आरोप है कि शादी के बाद से ही युवक उसे परेशान करता था. वह पूजा के साथ मारपीट करता था. पूजा के घरवालों ने उसकी हत्या का आरोप भी उसके पति पर लगाया गया है. ऐसे हुआ मौत का खुलासा:-मृतिका के परिजनों ने आरोप लगाया है कि शादी के बाद से युवक पूजा को परेशान किया करता था. उसके साथ मारपीट की कई घटनाओं को अंजाम दे चुका है. घटना से कुछ दिन पहले जब पूजा घर आई तो अपनी आपबीती परिजनों को बताई कि पति उसे घर में खाने को नहीं देता था और मारपीट करता था. परिजनों का आरोप है कि पूजा के पति ने ही उसकी हत्या की है.

शिक्षा के साथ रोजगार की दिशा में कदम कैम्पस सलेक्शन अग्रसेन कॉलेज में

सामाजिक क्षेत्र में हो रहे

विशेष प्रयासः राजेन्द्र

कोरबा(विश्व परिवार)। अग्रवाल सभा कोरबा के अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल ने बताया कि सामाजिक शैक्षणिक से लेकर विभिन्न क्षेत्रों में गंभीर कार्य करने को सक्रिय है। इसके माध्यम से व्यापक संदेश देने की कोशिश की जा रही है। लंबित परियोजनाओं को पूरा करने के लिए तेजी से काम चल रहा है। राजेंद्र अग्रवाल तरुण छत्तीसगढ़ को जानकारी देते हुए बताया कि समाज की ओर से संचालित अग्रसेन गर्ल्स कॉलेज में पहली बार रोजगार के अवसर को लेकर कदम बढ़ाए गए हैं ताकि विद्यार्थियों को इसका लाभ मिले। 19 जून को कॉलेज परिसर में हम कैंपस सिलेक्शन आयोजित कर रहे हैं। इसमें कई कंपनियां आमंत्रित की गई है। योग्यता के आधार पर काफी छात्राएं इससे लाभान्वित होंगी, ऐसी आशा है। शिक्षा क्षेत्र में गुणात्मक और परिणाममूलक प्रभाव नजर आए, इसके लिए कई काम किए जा रहे हैं। अग्रसेन विद्यालय में शिक्षकों की भर्ती के साथ-साथ विद्यार्थियों को सुविधा देने के लिए नवीन अधोसंरचना पर भी काम किया जा रहा है। अग्रवाल सभा का नेतृत्व कर रहे राजेंद्र ने बताया कि समाज की ओर से दो स्थानों पर गौशाला का संचालन किया जा रहा है। कनबेरी में लगभग 35 लख रुपए की लागत से गोपाल मंदिर तैयार किया जा रहा है जिसका 70प्रतिशत काम पूरा हो चुका है।

गीतकुंवारी पहुंचा हाथियों का दल

कोरबा(विश्व परिवार)। वनमंडल कोरबा के चचिया परिसर में विगत दिनों से विचरणरत 7 हाथियों का दल अब कुदमुरा रेंज अंतर्गत गीतकुंवारी गांव पहुंच गया है जबकि गीतकुंवारी में पहले से मौजूद लोनर हाथी ने धरमजयगढ़ का रूख कर लिया है। 7 हाथियों के गीतकुंवारी पहुंचने पर संबंधित अमला सतर्क हो गया है। ग्रामीणों को मुनादी कराकर सावधान किया जा रहा है। उनसे कहा जा रहा है कि उनके गांव के जंगल में बड़ी संख्या में हाथी फिर पहुंच गए हैं, अतरू वे इनसे दूरी बनाएं रखें। जंगल की ओर न जाएं। उधर कटघोरा वनमंडल के एतमानगर व

केंदई रेंज में भी हाथियों की सक्रियता लगातार बनी हुई है जहां पांच हाथियों का दल केंदई रेंज के परला क्षेत्र में है वहीं 18 हाथियों का दल एतमानगर रेंच के पचरा जंगल में घूम रहे हैं। पहले यह दल कटमोरगा में था। लेकिन गुरुवार की रात को मूवमेंट किया और पचरा जंगल पहुंचकर डेरा डाल दिया। हाथियों की यहां मौजूदगी दूसरे दिन भी बनी रही। हाथियों का यह दल गुरसियां, जटगा मुख्य मार्ग पर पहुंच गया था। जानकारी मिलने पर वन विभाग ने मौके पर पहुंचकर हाथियों को जंगल खदेड़ा। दल में एक उत्पाती दंतैल भी शामिल है, जो बंजारी गांव में एक ग्रामीण के घर घुसकर उसे ध्वस्त करने का प्रयास किया लेकिन समय पर निगरानी दल के पहुंच जाने से वह सफल नहीं हो सका। निगरानी दल ने दंतैल को खदेड़ दिया। उत्पाती दंतैल ने कटमोरगा में लगातार तीन दिन तक उत्पात मचाकर वहां के ग्रामीणों तथा वन विभाग के नाक में दम कर रखा था। उत्पात के दौरान दंतैल ने गांव में आधा दर्जन से अधिक ग्रामीणों के घर को ढहा कर उन्हें बेघर कर दिया था।

विकास व निर्माण कार्यो में तेजी लाएं, नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यो पर विशेष फोकस रखें, साफ- सफाई कार्यो में कसावट लाएं - महापौर

महापौर ने जोन कमिश्नरों तथा निगम के प्रभारी अधिकारियों की बैठक लेकर की विकास व निर्माण कार्यो, नागरिक सेवाओं से जुड़े कार्यो की कार्यप्रगति की समीक्षा

कोरबा(विश्व परिवार)। महापौर राजकिशोर प्रसाद ने निगम के जोन कमिश्नरों को निर्देश देते हुए कहा है कि वे निगम द्वारा विभिन्न मदों के अंतर्गत कराए जा रहे विकास व निर्माण कार्यो में आवश्यक तेजी लाकर समयसीमा में कार्यो को पूरा करें, विभिन्न मदों के अंतर्गत स्वीकृत निर्माण कार्यो की निविदाएं त्वरित रूप से जारी करें तथा निविदा प्रक्रिया पूर्ण कर कार्य

प्रारंभ कराएं। उन्होने कहा कि नागरिक सेवाओं व मूलभूत सुविधाओं से जुड़े कार्यो पर विशेष फोकस रखें तथा साफ-सफाई कार्यो में कसावट लाएं। महापौर श्री प्रसाद ने नगर पालिक निगम कोरबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत स्थित सभाकक्ष में निगम के जोन कमिश्नरों अभियंताओं तथा निगम के प्रभारी अधिकारियों की बैठक लेकर विभिन्न मदों के अंतर्गत प्रगतिरत व प्रस्तावित विकास व निर्माण कार्यो सहित नागरिक सेवाओं व सुविधाओं से जुड़े कार्यो, साफ-सफाई व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, सड़क रोशनी एवं निगम के अन्य कार्यो की कार्यप्रगति की बिन्दुवार समीक्षा की। इस दौरान महापौर श्री प्रसाद ने अधोसंरचना मद, 14वें एवं 15वें वित्त आयोग मद, जिला खनिज न्यास मद, अधोसंरचना विकास, पर्यावरण मद, स्कूल जतन योजना, सांसद मद, प्रभारी मंत्री मद, विधायक मद, महापौर मद, पार्षद मद, मरम्मत एवं संधारण मद, निगम मद सहित अन्य विभिन्न मदों के अंतर्गत प्रगतिरत, स्वीकृत व प्रस्तावित विकास व निर्माण कार्यो की मदवार व जोनवार विस्तार से समीक्षा की। महापौर श्री प्रसाद ने दिशा निर्देश देते हुए कहा कि प्रगतिरत विकास कार्यो में तेजी लाएं, कार्यो की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें तथा समयसीमा में कार्यो को पूरा करें। उन्होने कहा कि विभिन्न मदों के अंतर्गत स्वीकृत निर्माण कार्यो की निविदा प्रक्रिया तत्काल प्रारंभ की जाए तथा नियमानुसार प्रक्रिया पूर्ण कर कार्यो को प्रारंभ कराया जाए ताकि इन विकास कार्यो का त्वरित लाभ आमनागरिको को प्राप्त हो सके। महापौर श्री प्रसाद ने बैठक के दौरान सी.सी. रोड, आर.सी.सी. नाली, सार्वजनिक एवं सामुदायिक मंच, चबूतरा, सामुदायिक भवन, तालाब पचरी घाट निर्माण, उद्यान, स्कूल भवन सहित अन्य विभिन्न निर्माण कार्यो की कार्यप्रगति की जोनवार समीक्षा की तथा कार्यो को शीघ्र पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

संक्षिप्त समाचार

पति ने ली पत्नी की जान स्वयं फांसी पर झूला

उतई(विश्व परिवार)। पुलिस थाना उतई अंतर्गत बीती रात पति ने पत्नी के सर पर रापा से प्रहार कर उसे मौत के घाट सुला दिया और सवयं फांसी के फंदे पर झूल गया। घटना उतई थाना क्षेत्र के ग्राम खोपली की है। पति पत्नी दोनों खेती किसानी का कार्य करते थे। बीती रात दोनों में विवाद हुआ और विवाद इतना बढ गया कि पति पत्नी की जान चले गई। घटना की सूचना मिलते ही तत्काल पाटन एसडीओपी आशीष बंछोर और उतई थाना प्रभारी मनीष शर्मा मौके पर पहुंचे और शवो को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है। जानकारी के अनुसार पति हेंगल बंजारे और उसकी पत्नी यशोदा दोनों उतई के ग्राम खोपली में रेग्हा की जमीन में खेती किसानी का कार्य करते थे। प्रतिदिन की तरह वो सुबह से खेती करने गए थे जिसके बाद उन्हें किसी ने नही देखा था। शंका होने पर जब उनके कमरे में झांककर देखा गया तो दोनों के शव पड़े हुए दिखाई दिए जिसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। रात करीब 1 बजे पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। कमरा अंदर से बंद होने के कारण उसे खुलवाने में पुलिस को घंटों तक मशक्कत करनी पड़ी जिसके बाद दरवाजा खोला गया। पति- पत्नी दोनों की लाश कमरे में पाई गई। जहां खेती किसानी का सामान और टेंट हाउस की जरूरतों के अनुसार लगने वाला सामान रखा हुआ था। पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है ।

संदिग्ध परिस्थितियों में मिली महिला की लाश जांच में जुटी पुलिस

कोरबा(विश्व परिवार)। जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है. मोती सागरपारा बस्ती में एक महिला की घर में संदिग्ध परिस्थिति में लाश मिली है. लाश मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया. घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजवा दिया है. वहीं संदेही पति को पुलिस ने हिरासत में लिया है. जानकारी के अनुसार, कोरबा के कोतवाली थाना क्षेत्र के मोती सागरपारा बस्ती में महिला की उसके घर के कमरे में लाश मिली है. यह घटना शुक्रवार देर शाम की है. पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए मृतका के पति को हिरासत में लिया है और पूछताछ कर रही है. मृतिका पूजा बरेठ (22 वर्ष) मोती सागर पारा की रहने वाली थी.

पसरखेत वन परिक्षेत्र बना ट्रेनिंग सेंटर

कोरबा(विश्व परिवार)। जिले के कोरबा वनमंडल अंतर्गत पसरखेत वन परिक्षेत्र इन दिनों प्रशिक्षु आईएफएस अधिकारियों का ट्रेनिंग सेंटर बना हुआ है। यहां ट्रेनी बतौर आए आईएफएस अधिकारियों की लगातार पदस्थापना हो रही है जिससे विभागीय कामकाज रफ्तार नहीं पकड़ पा रहा है। ट्रेनी अधिकारी यहां आते हैं और ट्रेनिंग लेने के बाद चले जाते हैं। अधिकारियों की रूचि विभागीय कामकाज में नहीं रहती। उनका ध्यान केवल 6 माह के प्रशिक्षण अवधि को पूरा करने पर ही रहता है। अघोषित ट्रेनिंग सेंटर बने पसरखेत रेंज में एक बार फिर प्रशिक्षु आईएफएस चंद्रकुमार अग्रवाल की पदस्थापना हुई है जिन्होंने शुक्रवार को यहां पहुंचकर अपना कार्यभार संभाल लिया। इससे पहले प्रशिक्षु आईएफएस हिमांशु डोंगरे की यहां पदस्थापना हुई थी जिन्होंने अपने प्रशिक्षण की अवधि पूरी करने के बाद धमतरी में एसडीओ के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। प्रशिक्षु आईएफएस अधिकारी के अन्यत्र जाने पर रेंजर तोषी वर्मा ने पुनरू यहां प्रभार संभाला। तीन महीने बाद पसरखेत रेंज में नए प्रशिक्षु अधिकारी की पदस्थापना व उनके द्वारा कार्यभार संभाल लिये जाने के बाद वह फिर अतिरिक्त रेंजर के रूप में रिजर्व हो गई है।

18 को जारी होगी किसान सम्मान निधि की किस्त

कोरबा(विश्व परिवार)। 18 जून को किसान सम्मान निधि की किस्त 2 हजार रुपए हितग्राहियों के बैंक अकांउट में जारी होने वाली है, लेकिन किस्त जारी होने से पहले बचे ऐसे किसान जिन्होंने पूर्व में डीबीटी और केवाईसी नहीं करवाया है। उन्हें केवाईसी करवाने के साथ-साथ डीबीटी करवाने के लिए कहा है। दरअसल पीएम नरेंद्र मोदी 18 जून को पीएम किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त जारी करेंगे। पीएम मोदी अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी से किसानों को 2-2 हजार रुपए की किस्त ट्रांसफर करेंगे। शुरुआत में जब पीएम-किसान योजना (फरवरी, 2019) शुरू की थी तो इसका लाभ केवल छोटे और सीमांत किसानों के परिवारों को ही मिलता था। इसमें वो किसान शामिल थे, जिनके पास 2 हेक्टेयर तक की कम्बाइड लैंड होल्डिंग (संयुक्त भूमि) थी। जून 2019 में स्कीम को रिवाइज किया और सभी किसान परिवारों के लिए इसे एक्सटेंड कर दिया गया।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर मंगलवार 18 जून 2024

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

पुलिस की इंट्री आश्चर्य

राजधानी दिल्ली में पानी संकट के बीच पुलिस की इंट्री आश्चर्य पैदा करती है। अब पानी को माफिया से बचाने के लिए पुलिस को ज्यादा चौकस रहना होगा। पानी माफियाओं के बढ़ते दखल के बाद अब कम-से-कम पुलिस को ज्यादा मेहनत करनी होगी। इस बाबत पुलिस फोर्स ने चौकियां स्थापित की हैं और दिल्ली को पानी की आपूर्ति करने वाली नहर के हरियाणा की सीमा पर 15 किलोमीटर के हिस्से पर गश्त शुरू कर दी है। दरअसल, राजधानी इस सीजन में पानी का अभूतपूर्व संकट झेल रहा है। गर्मी की शुरुआत से ही यहां पानी की भारी किल्लत होने लगी थी, मगर न तो दिल्ली की सरकार ने और न केंद्र सरकार ने इस ओर ध्यान दिया। जब तपिश अपने चरम पर पहुंची और जल के लिए त्राहिमाम हुआ तब इधर-उधर से पानी मांगे जाने का प्रपंच शुरू हुआ। वैसे, यह सिर्फ इस सीजन की बात नहीं है। हर साल पानी को लेकर दिल्ली की दुारियां चरम पर रहती है। इस बार ज्यादा गर्मी की वजह से मामला चर्चा में आया। बहरहाल, भले टैंकर माफिया पर नकेल कसने के लिए पुलिस को जिम्मेदारी सौंपी गई हो, मगर जो हालात पानी को लेकर दिल्ली की दिखती है उसमें खाकी की भूमिका बहुत ज्यादा नहीं है। उसकी वजह बहुत साफ है। एक तो दिल्ली का अपना पानी का कोई सिस्टम नहीं है। पानी का ज्यादातर हिस्सा यमुना नदी का है। कुछ बोरवेल दिल्ली सरकार ने लगवाए हैं। मगर ये सब कार्य पानी की अभी की स्थिति के सामने बहुत छोटी है। यही वजह है कि पानी के लिए कभी हरियाणा तो कभी उत्तर प्रदेश तो कभी हिमाचल प्रदेश के आगे चिरौरी करनी पड़ती है। अगर दिल्ली को पानी के संकट से निजात पाना है तो उसे सबसे पहले पानी के पूर्व के स्रेतों पर काम करना होगा। इसके अलावा पानी माफिया पर कड़ा रुख दिखाना होगा। पानी की चोरी और उसके बेवजह बह कर बर्बाद होने पर भी नजर रखनी होगी। छोटे-छोटे प्रयास के दम पर ही हम दिल्ली को इस समस्या से उबार सकते हैं। अदालत की चौखट तक जाने से पहले हमें उन पारंपरिक जल स्रेतों पर गंभीरतापूर्वक काम करना होगा। हिमाचल या हरियाणा से पानी मंगाने का चलन अब बंद होना चाहिए। दिल्ली की जनता को भी इस मामले में ईमानदार और सजग रहने की जरूरत है क्योंकि अंततः भोगना उन्हीं को पड़ता है। दिल्ली में पानी की समस्या बड़ी तो है, मगर उतनी बड़ी नहीं कि उसका निदान न हो।

मोदी या गठबंधन एजेंडे से चलेगी सरकार

अजीत द्विवेदी

सरकार गठन के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आत्मविश्वास लौट आया है। नतीजों से जो सेटबैक लगा था वे उससे उबर गए दिखते हैं। उन्होंने अपने हिसाब से सहयोगी पार्टियों को हैंडल किया है। अपने हिसाब से उनको मंत्री पद दिए हैं और कामचलाऊ विभाग देकर उनको निपटाया है। इसके बावजूद ऐसा लग रहा है कि तीसरी सरकार भाजपा के या स्वंय मोदी के एजेंडे से नहीं चलेगी, बल्कि गठबंधन के एजेंडे से चलेगी। भले गठबंधन की सरकार में 82 फीसदी सांसद भाजपा के हैं और वह उस तरह से सहयोगी पार्टियों पर निर्भर नहीं है, जैसी मनमोहन सिंह की सरकार थी या उससे पहले अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार थी।

इसके बावजूद मोदी को कामकाज में बहुत संतुलन बनाने की जरुरत होगी क्योंकि दूसरी ओर विपक्ष भी पहले के मुकाबले बहुत ज्यादा मजबूत और एकजुट है। तभी ऐसा लग रहा है सरकार तमाम विवादित एजेंडे को स्थगित कर सकती है। हालांकि मुश्किल यह है कि भाजपा को भी राज्यों में चुनाव लड़ना है और पांच साल बाद अपना एजेंडा लेकर जनता के बीच जाना होगा। तभी यह देखना दिलचस्प होगा कि विवादित मुद्दों या जिन मुद्दों पर आम सहमति नहीं है उनको लेकर सरकार का क्या रुख होता है। सरकार उसे ठंडे बस्ते में डालती है या सहयोगियों पर दबाव बना कर अपने एजेंडे को आगे बढ़ाती है? सरकार के लिए सबसे पेचीदा मामला परिसीमन और महिला आरक्षण का हो गया है। नरेंद्र मोदी की सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल के आखिरी साल में नारी शक्ति वंदन कानून पास कराया। संसद की नई इमारत में यह पहला कानून था, जिसका बिल पेश किया गया था। मोदी सरकार ने इस बिल को उस रूप में पेश नहीं किया, जिस रूप में इसे पहले एक सदन की मंजूरी मिल चुकी थी। सरकार नया मसौदा ले आई, जिसमें यह शर्त जुड़ी हुई है कि परिसीमन के बाद 2029 में महिला आरक्षण को लागू किया जाएगा। महिला आरक्षण से किसी को समस्या नहीं है। सरकार और उसकी सहयोगी पार्टियों के अलावा विपक्षी पार्टियां भी महिला आरक्षण के समर्थन में हैं। लेकिन परिसीमन का विरोध तय है। विपक्ष के साथ साथ सरकार की कई सहयोगी पार्टियां भी परिसीमन का विरोध कर सकती हैं। अभी तक यह कहा जा रहा है कि जनसंख्या के आधार पर परिसीमन होगा, जिसमें दक्षिण भारत से लोकसभा सीटों की संख्या कम हो सकती है और उत्तर भारत के राज्यों में सीटें बढ़ सकती हैं। तभी दक्षिण भारत की पार्टियां जनसंख्या के आधार पर परिसीमन का विरोध करती हैं। ध्यान रहे आंध्र प्रदेश की टीडीपी और कर्नाटक की जेडीएस दोनों सरकार का समर्थन कर रहे हैं लेकिन परिसीमन पर इनका समर्थन हासिल करना आसान नहीं होगा। सो, यह सरकार को उलझाने वाली स्थिति है और उसने तय किया हुआ है कि 2029 के चुनाव तक परिसीमन हो जाएगा और महिला आरक्षण लागू किया जाएगा। इसी तरह भाजपा ने पूरे देश में समान नागरिक संहिता यानी यूसीसी लागू करने का वादा किया है। उत्तराखंड सरकार ने जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में बनी कमेटी की सिफारिशों के आधार पर इसे अपने राज्य में लागू कर दिया है। भाजपा ने इसे अपने चुनाव घोषणापत्र में भी शामिल किया है और इस बार के चुनाव प्रचार में प्रधानमंत्री से लेकर केंद्रीय गृह मंत्री तक सभी इसका वादा करते रहे हैं। लेकिन सरकार बनने से पहले ही भाजपा की सहयोगी जनता दल यू ने कहा कि इस पर सबकी सहमति बनाने की जरुरत है। ऐसा लग रहा है कि धर्म के मामले में दखल देने वाला कोई भी कानून लाना अब संभव नहीं होगा। मुस्लिम आरक्षण खत्म करने की बातें भी ठंडे बस्ते में जाएंगी क्योंकि जनता दल यू और टीडीपी दोनों इसके पक्ष में हैं। हालांकि भाजपा की ओर से आधिकारिक रूप से नहीं कभी नहीं कहा गया है कि लेकिन उसके समर्थक वक्फ बोर्ड कानून में बदलाव और धर्मस्थल कानून की समाप्ति की बात भी कर रहे थे। कहा जा रहा था कि चार सौ सीटें आएंगी तो वक्फ बोर्ड कानून को बदल कर वक्फ की सारी संपत्ति सरकार ले लेगी और नरसिंह राव सरकार के समय बना धर्मस्थल कानून बदल दिया जाएगा ताकि कथित तौर पर हिंदू मंदिरों के स्थान पर बने मस्जिदों को वापस हासिल किया जा सके। ऐसी कोई भी बात अब सरकार के एजेंडे में नहीं होगी। लेकिन ऐसा नहीं है कि काशी और मथुरा का मसला रूक जाएगा। ध्यान रहे इसमें सरकार कुछ नहीं कर रही है। जो कुछ भी हो रहा है कि वह अदालत के आदेश से हो रहा है। वाराणसी की अदालत ने काशी की ज्ञानवापी मस्जिद का सर्वे करने और तहखाने में शृंगार गौरी की पूजा करने की अनुमति दी। इस पर हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने भी रोक नहीं लगाई। इसी तरह मथुरा की शाही ईदगाह का भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण यानी एएसआई से सर्वे कराने का आदेश भी मथुरा की अदालत ने दिया है। उधर मध्य प्रदेश के धार में भोजशाला और कमाल मौला मस्जिद के सर्वे का आदेश भी अदालत ने दिया है। इसमें सरकार कुछ नहीं कर रही है। वह सिर्फ अदालत के आदेश के पालन कर रही है। अगर अदालती कार्रवाई मंथर गति से भी चलती रहती है तो यह मामला सुलगता रहेगा। अंदर अंदर उबाल बना रहेगा। अदालती कार्रवाई में दखल देने के लिए सहयोगी पार्टियां सरकार पर दबाव नहीं डाल पाएंगी। ध्यान रहे विपक्ष खुद ही कहता है कि अयोध्या में राममंदिर का श्रेय सरकार को नहीं लेना चाहिए क्योंकि यह अदालत के आदेश से बना है। इसका मतलब है कि विवादित जगहों को लेकर अदालत का आदेश आता है तो विपक्ष भी उसे मानने को तैयार है। इसी तरह 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के एजेंडे में भी दिक्कत नहीं है। महिला आरक्षण और परिसीमन के साथ यह तीसरा मुद्दा है, जिसे 2029 में लागू करने का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वादा किया है। इसके लिए उनकी सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय कमेटी बनाई थी, जिसने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। इसने चरणबद्ध तरीके से काम शुरू करने और 2029 में देश के सारे चुनाव एक साथ कराने की सिफारिश की है। जिस समय कोविंद कमेटी इस मसले पर देश की सभी पार्टियों से राय मांग रही थी उस समय नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यू ने इसका समर्थन किया था। तेलुगू देशम पार्टी को भी इसमें कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए क्योंकि आंध्र प्रदेश में तो विधानसभा के चुनाव लोकसभा के साथ ही होते हैं। सो, अगर भाजपा की ये दोनों बड़ी सहयोगी पार्टियां सहमत होती हैं तो सरकार के सारे चुनाव एक साथ कराने के एजेंडे पर आगे बढ़ने में कोई दिक्कत नहीं होगी।

विशेष लेख

विकास की सार्थकता पर सवाल

भारत डोगरा

वैसे तो वर्तमान विकास की विसंगतियां कई स्तरों पर नजर आ रही हैं, पर स्थिति तब और भी स्पष्ट हो जाती है, जब इस विकास की दौड़ में सबसे आगे माने जाने वाले देशों में भी लोग इस विकास की सार्थकता के बारे में सवाल खड़े करने लगें। ब्रिटिश सोशल साइंस रिसर्च काउंसिल (ब्रिटिश समाज शास्त्र अनुसंधान परिषद) द्वारा किए गए एक सव्रेक्षण में ऐसे ही सवाल सामने आए हैं। इस सर्वेक्षण में पांच वर्षो के दौरान तीन बार 1500 सामान्य नागरिकों के सैंपल से पूछा गया कि जीवन को बेहतर बनाने के लिए वे किन बातों को महत्त्व देते हैं और क्या उन्हें लगता है कि जीवन पहले से बेहतर हो रहा है या नहीं। ब्रिटेन के समाज को (अन्य पश्चिमी विकसित देशों की तरह) काफी भौतिकवादी माना जाता है पर 71 प्रतिशत लोगों ने जीवन की गुणवत्ता (क्वालिटी) के बढ़ने या जीवन बेहतर होने में जिन बातों को महत्त्व दिया उनका आय या दौलत के बढ़ने से कोई संबंध नहीं था। उपभोक्ता वस्तुओं से अधिक महत्त्व 'अच्छे पारिवारिक जीवन' और 'संतोष की स्थिति' को देने वाले लोगों की संख्या अधिक थी। सबसे महत्त्वपूर्ण बात जो इस सर्वेक्षण में सामने आई वह यह थी कि लगभग सभी नागरिकों के मत में पिछले पांच वर्षो में उन्हें उपलब्ध उपभोक्ता वस्तुओं की मात्रा बढ़ गई थी पर साथ ही जीवन की गुणवत्ता कम हो गई थी। इतना ही नहीं, लगभग सभी लोगों ने यह विचार भी व्यक्त किया कि अगले पांच वर्षो में यही स्थिति और आगे बढ़ने की संभावना है- उपभोक्ता वस्तुओं की मात्रा और बढ़ जाएगी पर साथ ही जीवन की गुणवत्ता और घट जाएगी। इस सर्वेक्षण से यह बात सामने आई है कि वर्तमान विकास की विसंगतियों पर जोर देना केवल जीवन की गहराई में गोता लगाने वाले कुछ दर्शनशास्त्रियों या पर्यावरणविद् तक ही सीमित नहीं है अपितु इस विकास के क्षेत्र में अग्रणी माने जाने वाले देशों के सामान्य लोग भी अब इस पीड़ा को समझ रहे हैं, चाहे विकल्पों के अभाव में इस पीड़ा से बाहर निकलने की कोई दिा अभी न मिल रही हो। प्रायः प्रति व्यक्ति आय को किसी देश के विकास का सबसे महत्त्वपूर्ण द्योतक माना जाता है। चाहे दो राष्ट्रों की तुलना करनी हो या एक ही राष्ट्र की वर्तमान स्थिति की कुछ समय पहले की स्थिति से तुलना करनी हो, सबसे प्रचलित तरीका यही अपनाया जाता है कि राष्ट्रीय आय को जनसंख्या से विभाजित कर प्रति व्यक्ति आय प्राप्त कर ली जाती है। लेकिन अब अनेक अर्थशास्त्री व अन्य विद्वान राष्ट्रीय आय या प्रति व्यक्ति आय को वास्तविक विकास का द्योतक मानने के बारे में अनेक महत्त्वपूर्ण सवाल उठाने लगे हैं। राष्ट्रीय आय में सब तरह की वस्तुओं व सेवाओं को जोड़ा जाता है, इस बात को कोई महत्त्व नहीं दिया जाता है कि वह वस्तु जन-कल्याण से जुड़ी है या समाज के लिए हानिकारक है। यदि किसी देश में एक दशक के दौरान अन्य बातें समान हैं पर शराब, तंबाकू, वेश्यावृत्ति और जुआघरों में बहुत तेजी से वृद्धि हो रही है तो राष्ट्रीय आय या प्रति व्यक्ति आय के आंकड़ों के अनुसार विकास की गति काफी तेज मानी जाएगी। राष्ट्रीय आय व प्रति व्यक्ति आय द्वारा विकास को जानने की एक अन्य प्रमुख कमी यह है कि पर्यावरण को होने वाली क्षति का उचित आकलन इसमें नहीं होता है अपितु कई बार तो विपरीत आकलन होता है। एक देश में वनों को बहुत सुरक्षित रखा गया है ताकि भविष्य में जल व मिट्टी संरक्षण का कार्य अच्छी तरह से होता रहे, दूसरे देश में कुछ ही वर्षो में सारे जंगलों को काटकर उनकी लकड़ी बेच दी जाती है व इससे प्राप्त धनराशि को तरह-तरह के अनैतिक कायरे में खर्च कर दिया जाता है। राष्ट्रीय आय के आंकड़े तो यही बताएंगे कि दूसरे देश में अधिक विकास हुआ है क्योंकि लकड़ी काटने व बेचने से प्राप्त धनराशि की गिनती राष्ट्रीय आय में हो जाएगी। पहले देश द्वारा वन बचाए रखने के महत्त्व को राष्ट्रीय आय के आंकड़े नहीं पहचानेंगे। विकास के द्योतक के रूप में राष्ट्रीय आय व प्रति व्यक्ति आय की एक अन्य प्रमुख कमी यह हैं कि इससे हमें आय के वितरण के बारे में कुछ पता नहीं चलता है। प्रति व्यक्ति आय जिस दशक के दौरान तेजी से बढ़ी है, हो सकता है कि उसी दशक के दौरान अर्थव्यवस्था के नीचे के 50 प्रतिशत लोगों का अभाव पहले से भी अधिक बढ़ गया हो। प्रति व्यक्ति (औसत) आय में वृद्धि पूरी तरह अमीर तबके की आय में तेजी से हो रही वृद्धि पर आश्रित हो सकती है। इस स्थिति में अतिरिक्त आय फिजूलखर्ची में जाएगी और गरीब लोगों को बुनियादी जरूरतों में भी और कटौती करनी पड़ेगी, पर राष्ट्रीय व प्रति व्यक्ति आय के आंकड़े यही बताएंगे कि तेज विकास हो रहा है। किसी भी देश के लोगों की आर्थिक स्थिति से अलग बहुत सी बातें होती हैं जो प्रति व्यक्ति आय के आंकड़ों की पहुंच से बहुत दूर हैं। उस देश में भाईचारे और अच्छे नागरिक होने की भावना कितनी प्रबल है।

जम्मू-कश्मीर में आतंकी चुनौती कितनी गंभीर

सुशांत सरीन

जम्मू-कश्मीर में गुजरे तीन दिनों में तीन आतंकी घटनाओं के गहरे निहितार्थ हैं। यह स्थिति तब दिख रही है, जब हालिया आम चुनाव में यहां के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है। जम्मू-कश्मीर के पांचों संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में करीब 58 फीसदी मत पड़े हैं, जो लोकतंत्र में स्थानीय लोगों के बढ़ते विश्वास का संकेत माना गया था। जाहिर है, सवाल यही है कि ऐसे हमले करके आतंकी अपनी बौखलाहट का प्रदर्शन कर रहे हैं या फिर उनकी यह कोई नई रणनीति है? दरअसल, ताजा हमले कश्मीर घाटी में नहीं हुए हैं, बल्कि जम्मू के उन इलाकों में हुए हैं, जहां कुछ वर्ष पहले तक माना जाता था कि आतंकवाद का करीब-करीब सफाया कर दिया गया है। यहां बीते डेढ़-दो दशकों में कोई बड़ी आतंकी वारदात नहीं हुई थी, पर पिछले तीन-चार साल में 'एरिया ऑफऑपरेशन' नजर आने लगा था, यानी आतंकियों की मौजूदगी दिखने लगी थी। असल में, आतंकवाद के खिलाफ सैन्य कार्रवाई गुब्बारे सरीखा नतीजा देती है, यानी एक जगह जब आप उसका दमन करते हैं, तो दूसरी तरफ से उसका उभार होने लगता है। कश्मीर घाटी के अंदर भी आतंकियों ने पहले श्रीनगर, फिर उत्तरी कश्मीर और बाद में दक्षिणी हिस्से में अपना ठिकाना बना लिया था। मगर धीरे-धीरे सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके पर अपना दबदबा बना लिया, तो फिर जम्मू में हिंसक घटनाएं बढ़ने लगीं, खासतौर से राजौरी और पुंछ जैसे इलाकों में। लिहाजा, सुरक्षा बलों ने जम्मू में भी अपना सुरक्षा घेरा फिर से मजबूत करना शुरू कर दिया था, लेकिन यह एक लंबी प्रक्रिया है, इसलिए आतंकी अपनी मंशा में कुछ हद तक सफल हो गए। ताजा हमलों में दहशतगर्द कहीं अधिक दक्ष दिख रहे हैं। घाटी में जब सुरक्षा बल असरंदाज हो गए थे, तो वहां होने वाली छिटपुट हिंसा अमूमन अकुशल आतंकी किया करते थे, लेकिन हाल के वर्षों में दक्ष आतंकियों द्वारा कार्रवाई किए जाने के मामले बढ़े हैं। उनके पास हथियार भी पहले से कहीं बेहतर हैं। यहां तक कि वे पहाड़ों व जंगलों का बखूबी इस्तेमाल जानते हैं। जाहिर है, यह प्रशिक्षण उनको पड़ोसी मुल्क में मिला होगा। लगता यही है कि पाकिस्तान के अंदर घुसने का कोई अनधिकृत रास्ता है, जिसका इस्तेमाल ये सुरक्षा बलों से बचने के लिए करते हैं। एक प्रवृत्ति और दिख रही है। किसी बड़े समूह में नहीं, बल्कि एक-दो की संख्या में आतंकी अपने मनसूबे को अंजाम दे रहे हैं। मुमकिन है, इसमें एक स्थानीय आतंकी हो और दूसरा पड़ोसी देश से प्रशिक्षित दहशतगर्द। ऐसे में, अब इस इलाके में एक बड़ी सैन्य कार्रवाई की दरकार है, हालांकि यह कोई आसान काम भी नहीं। सवाल यह भी है कि आखिर ये घटनाएं इस समय क्यों हो रही हैं? निस्संदेह, साल 2019 में जम्मू-कश्मीर को लेकर संविधान में किए गए सुधार के बाद यहां की स्थिति काफी बेहतर हुई है, लेकिन कुछ समस्याएं अभी भी कायम हैं। निस्संदेह, यहां आतंकवाद से जुड़ी आर्थिक गतिविधियों पर लगाम लगाई गई है, प्रशासन में मौजूद अलगाववादी विचारधारा के लोगों के खिलाफ कड़े कदम उठाए गए हैं और जमात-ए-इस्लामी जैसे संगठनों को प्रतिबंधित किया गया है, पर विभाजनकारी सोच अब भी कुछ हद तक समाज में बनी हुई है। यह मानसिकता इसलिए खत्म नहीं हो सकी है, क्योंकि जरूरी राजनीतिक विकल्प देने में हम नाकाम रहे हैं। इस गलती को जल्द सुधारना उचित होगा। यहां आम चुनाव में लोगों ने जमकर भागीदारी निभाई है और मुख्यधारा की पार्टियों पर भरोसा किया है। घाटी की दो सीटें नेशनल कॉन्फ्रेंस, तो जम्मू की दोनों सीटें भाजपा की झोली में गई हैं। मगर बारामूला में अब्दुल राशिद शेख बतौर निर्दलीय उमर अब्दुल्ला जैसे नेता को हराने में सफल हो गए। आतंकियों को धन मुहैया कराने के आरोप में जेल में बंद राशिद की इस जीत से मुमकिन है कि दहशतगर्दों को प्रोत्साहन मिला हो। आतंकी घटनाएं बढ़ाकर वे अपने इरादे जाहिर कर रहे होंगे, क्योंकि उनकी नजर में यह जीत समाज के एक तबके में उनकी स्वीकार्यता का प्रतीक हो सकती है। वैसे, इस पूरे प्रकरण को पाकिस्तान से भी जोड़कर देखा जा सकता है, क्योंकि उसकी बदहाल माली हालत जगजाहिर है, इसलिए वह नई दिल्ली को यह संदेश देना चाह रहा होगा कि कश्मीर में अब भी उसका परोक्ष दखल कायम है। बहरहाल, आतंकियों ने ऐसे समय में मोर्चा खोला है, जब भारत में चुनाव खत्म हुए हैं और सहयोगी दलों पर निर्भर सरकार सत्ता में है। कुछ लोग यह भी मानते हैं कि ऐसा करके न सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीसरी पारी को चुनौती दी गई है, बल्कि इस संभावना को भी खत्म करने की कोशिश की गई है कि आम चुनाव निपटने के बाद भारत और पाकिस्तान बातचीत की मेज पर बैठ सकते हैं। वैसे, अगले तीन-चार महीनों में जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जिसके बाद इसे राज्य का दर्जा दिया जा सकता है। ऐसे में, कई तरह की चुनौतियां हमारे सामने हैं। सबसे पहले तो वहां शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित कराना। आशंका यह भी है कि राजनीतिक विकल्पहीनता की स्थिति में यदि पुराने राजनेता सत्ता में लौटते हैं, तो उनका रवैया कैसा होगा? क्या वे फिर एक हाथ अलगाववादियों के कंधे पर रखेंगे और दूसरे हाथ से उनको हल्की थपकी देंगे? कौन इसकी गारंटी लेगा कि जम्मू-कश्मीर के हालात पूर्ववत नहीं हो जाएंगे? चूंकि अब तक यहां केंद्र का नियंत्रण रहा है।

देश में नीट जैसी परीक्षा पर उठे नए प्रश्न

विभूति नारायण राय

जब दिन भर पूरा देश अठारहवीं लोकसभा के चुनावी नतीजों में डूब-उतराकर सोने की तैयारी कर ही रहा था, तब 4 जून, 2024 की रात डॉक्टरी की पढ़ाई करने का सपना देखने वाले लाखों छात्रों के लिए किसी दु:स्वप्न की तरह उतरी। दुनिया की सबसे बड़ी प्रवेश परीक्षाओं में से एक नीट या नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट) की 5 मई को परीक्षा देने के बाद ये छात्र बड़ी बेसब्री से 14 जून का इंतजार कर रहे थे, जब उनकी मेहनत का परिणाम आने वाला था। परीक्षा लेने वाली संस्था नेशनल टेस्ट एजेंसी (एनटीए) ने सूचना बुलेटिन में यही तारीख घोषित कर रखी थी। इस परीक्षा की एक खासियत यह है कि परीक्षा समाप्त होने के चंद घंटों में ही छात्रों को अपने प्रदर्शन का आभास हो जाता है। एनटीए ली गई परीक्षा के सही उत्तर ऑनलाइन प्रसारित कर देती है और परीक्षार्थी को कमोबेश अपनी मेरिट का अंदाज लग जाता है। परीक्षा परिणाम से इस मेरिट और उसके आधार पर मिलने वाले मेडिकल कॉलेज की पुष्टि हो सकती है। 4 जून की रात अचानक बच्चों व उनके अभिभावकों के सेलफोन की घंटियां बजने लगीं और किसी विस्फोट की तरह यह सूचना साझा की जाने लगी कि एनटीए ने नीट का परीक्षाफल घोषित कर दिया है। इस पर विश्वास करना थोड़ा मुश्किल था, क्योंकि एनटीए ने तो अपने बुलेटिन में 14 जून की तारीख घोषित कर रखी थी और हर साल परीक्षा के नतीजे घोषित करने के घंटों पूर्व सूचना प्रसारित की जाती है कि परिणाम आने वाले हैं। फिर इस बार ऐसी क्या हड़बड़ी थी कि बिना किसी पूर्व सूचना के दस दिन पहले ही अचानक नतीजे घोषित कर दिए गए? यह तो दूसरे दिन शाम तक स्पष्ट होना शुरू हुआ कि इस परीक्षा में बड़ा घपला हुआ है, जिसका पूरा आकलन करने में विशेषज्ञों की भी अक्ल चकरा जाएगी। क्या यह अनायास था कि परिणाम घोषित करने के लिए ऐसी तारीख चुनी गई, जब पूरे देश का मीडिया चुनावी नतीजों को समझने में व्यस्त था? यह तो भला हो सोशल मीडिया का, जिसने शुरुआती झटके से उबरते ही शोर मचाना शुरू कर दिया कि हजारों मेधावी छात्रों के साथ घपलेबाजों ने खेल कर दिया है। बिना किसी तैयारी के आए अखबारनवीसों के सामने एक प्रेस कांफ्रेंस में एनटीए के महानिदेशक एक पत्रकार के इस प्रश्न पर लड़खड़ा गए कि परीक्षा के परिणाम तय तिथि से इतने पहले क्यों घोषित हो गए? सारा विवाद सिर्फ सोलह सौ बच्चों से संबंधित है, लेकिन जानकारों के मुताबिक पचास हजार के लगभग अभ्यर्थियों की मेरिट पर इसका असर पड़ेगा। 720 अंकों की इस परीक्षा में पिछले वर्षों तक अधिकतम दो, तीन परीक्षार्थियों को ही पूर्णांक मिलते रहे हैं। इस वर्ष इतने अंक पाने वालों की संख्या 67 हो गई। प्रतिभा के इस विस्फोट का जो कारण एनटीए अधिकारियों ने बताया, उसमें इतने झोल हैं कि आसानी से किसी विशेषज्ञ के गले नहीं उतरेंगे। घपलों की शुरुआत फॉर्म भरने के साथ ही हो गई। फॉर्म भरने की निर्धारित तिथि 9 फरवरी से 9 मार्च थी। बहुत से बच्चों ने अंतिम दिनों में फॉर्म भरने की कोशिश की, पर नीट की वेबसाइट क्रैश हो जाने के कारण कई तरह की दिक्कतें आईं और अभिभावकों की मांग पर फॉर्म भरने की अंतिम तारीख एक सप्ताह के लिए बढ़ा दी गई। बाद में बड़े रहस्यमय ढंग से फॉर्म भरने के लिए नीट की वेबसाइट दो दिनों (9 अप्रैल से 10 अप्रैल) के लिए फिर खोली गई। यह जांच का विषय होना चाहिए कि किन परिस्थितियों में इन दो दिनों में फिर से फॉर्म भरे गए और नए शामिल अभ्यर्थियों में से कितने सफल हुए? एनटीए द्वारा जारी नीट टॉपरों की मेरिट लिस्ट में आठ छात्रों के क्रमांक एक ही सीरीज (62 से 69) में होने पर भी संदेह व्यक्त किया गया है। इनमें से छह छात्रों ने रैंक 1 प्राप्त की है और ये सभी हरियाणा के बहादुरगढ़ स्थित एक ही परीक्षा केंद्र के हैं। इन आठ में से सात छात्रों के सरनेम लिस्ट में नहीं दिए गए हैं, जिससे संदेह और बढ़ गया है। इन छात्रों के नीट रोल नंबर, नाम, अंक और रैंक का स्नैपशॉट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इन आठ में से छह छात्रों ने 720 में से 720 अंक प्राप्त किए हैं, जबकि अन्य दो ने 719 और 718 अंक प्राप्त किए हैं। यह भी जांच का विषय हो सकता है कि इन छात्रों ने बाद में खोली गई वेबसाइट के जरिये तो प्रवेश नहीं लिया था? एनटीए ने इस पर सफाई देते हुए कहा है कि हरियाणा के परीक्षा केंद्र पर छात्रों का समय बर्बाद हुआ था, जिसके चलते उन्हें मुआवजे के तौर पर 'ग्रेस मार्क्स' दिए गए थे। इन उदार अंकों का तिलिस्म भी बड़ा रहस्यमय है। शक इससे भी गहराया कि कई राज्यों में परीक्षार्थियों के समय का नुकसान हुआ था और 'ग्रेस मार्क' हरियाणा वाले केंद्र पर ही क्यों दिया गया? फिर फॉर्म भरते समय जारी सूचना पुस्तिका में ग्रेस मार्क का उल्लेख क्यों नहीं किया गया? यह तो खेल शुरू होने के बाद नियम बदलने जैसा है। यह भी उल्लेखनीय है कि बिहार और उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में परीक्षा शुरू होने के पहले ही पेपर आउट होने की अफवाहें गश्त करने लगी थीं और दोनों प्रांतों में पुलिस ने कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया था। कुछ लोगों ने एनटीए को मेल भेजकर आउट हुए परचे की जानकारी भी दी थी। पिछले कुछ वर्षों से देश के नौनिहालों के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं के रूप में छल हो रहा है। शायद ही कोई प्रतियोगी परीक्षा ऐसी हुई हो, जिसकी शुचिता को लेकर छात्रों के मन में संदेह न उठा हो। हर बार आरोप लगते ही परीक्षा कराने वाली एजेंसी के अधिकारी सब कुछ ठीक-ठाक होने की दुहाई देने लगते हैं, बाद में अदालत या शासन के स्तर पर उनकी कलई खुलती है और परीक्षा पुनः करानी पड़ती है। इस पूरी प्रक्रिया में धन और समय की बर्बादी तो होती ही है, हमारी नई पीढ़ी के मन में देश की संस्थाओं और कानून कायदों से विश्वास भी खत्म होता जाता है। इस स्थिति से बचने के लिए जरूरत है कि नीट की इस परीक्षा की पूरी जांच कराई जाए और एनटीए के दोषी अधिकारियों को ऐसा दंड दिया जाए, जो भविष्य के लिए सबक बने।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, मंगलवार 18 जून 2024
www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com
5

संक्षिप्त समाचार

श्री धर्मनाथ दिगम्बर जैन मंदिर पंचकल्याणक महामहोत्सव समिति द्वारा कार्यकर्ता सम्मान

विदिशा (विश्व परिवार)। संत शिरोमणि आचार्य गुरुदेव श्री विद्यासागरजी महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज स संघ के सानिध्य में हुये पंचकल्याणक महामहोत्सव के समापन पश्चात महामहोत्सव समिति द्वारा विभिन्न समितियों के कार्यकर्ताओं का सम्मान समारोह रखा गया जिसमें महोत्सव समिति केअध्यक्ष वसंत जैन महामंत्री अभय वैद्य कोषाध्यक्ष सिंघई गौरव जैन मणीधर सहित समिति के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित हुये। इस अवसर पर सिघई सनत जैन मणीधर परिवार द्वारा सभी का तिलक तथा स्मृति चिंह देकर सम्मान किया गया एवं मधुर स्मृति के साथ सभी का आभार प्रकट किया गया प्रवक्ता अविनाश जैन ने प्रिंट मीडिया तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का आभार व्यक्त किया एवं उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने मणीधर परिवार की भूरी भूरी प्रशंसा की। एवं सामुहिक दाल बाफले का भोज संपन्न हुआ।

क्षुल्लक प्रज्ञांश सागर जी महाराज ने कहा- सुख और दुख एक सिक्के के दो पहलू

दिल्ली (विश्व परिवार)। परम श्रद्धेय श्रुताराधक संत क्षुल्लक श्री 105 प्रज्ञांश सागर जी महाराज का श्री शान्तिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर, रानी बाग में मंगल आगमन पर समस्त समाज द्वारा भावभीना स्वागत किया गया। भक्तों को सम्बोधित करते हुए क्षुल्लक श्री ने कहा कि मनुष्य के जीवन में वेदनीय कर्म के उदय से आने वाले दो मुख्य भाव सुख और दु:ख दोनों एक सिक्के के दो पहलू हैं। साता वेदनीय के उदय से जब किसी इंसान के जीवन में सुख का उदय होता है तो निश्चित है वह कभी ना कभी अस्त तो होगा ही और सुख जाते समय दु:ख देकर जाता है। अगर कभी किसी इंसान के जीवन में असाता वेदनीय का प्रभाव है तो दु:ख उदय में आता है और जब वह कर्म निर्जरा को प्राप्त होता है और सुख रूप परिणत होकर जाता है। किन्तु विचारणीय विषय है कि जो कर्म हमें दु:ख देकर जाता है उसमें हम रोते-पीटते, चीखते-चिल्लाते हैं और जो कर्म हमें सुख देकर जाता है उसमें हम आनन्द का अनुभव करते हैं। इसीलिए हमें सुख और दु:ख दोनों में समता भाव से रहना चाहिए। सुख में फूलना नहीं चाहिए और दुख में कूलना नहीं चाहिए। उल्लेखनीय है कि क्षुल्लक श्री का यहां से प्राचीन श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, भटगांव (सोनीपत) के लिए मंगल प्रस्थान हुआ। अत्यंत हर्ष का विषय है कि हम सभी के प्रबल पुण्योदय से क्षुल्लक श्री का आगामी चातुर्मास 2024 राजधानी दिल्ली में सम्भावित है। -**समीर जैन**

संगिनी फारम जेएसजी मेट्रो की सदस्याओं ने की गौ सेवा

जयपुर (विश्व परिवार)। संगिनी फारम जेएसजी मेट्रो की सदस्याओं ने दुर्गापुरा गौशाला में गौ सेवा कर गायों को हरा चारा खिलाया। पूर्व अध्यक्ष श्रीमती मैना जैन के अनुसार इस मौके पर गौ सेवा के लिए मुहिम जारी रखने का संकल्प लिया गया। संस्थापक अध्यक्ष दीपिका जैन कोटखावदा ने बताया कि मानव और गाय एक दूसरे के प्रति पूर्णतया पूरक है। गायों एवं पशुओं की रक्षा करना हम सब का कर्तव्य है। संगिनी फारम जेएसजी मेट्रो की अध्यक्ष अम्बिका सेठी ने सभी का स्वागत किया। सचिव रेखा पाटनी ने आभार व धन्यवाद व्यक्त किया। इस मौके पर वर्षा अजमेरा, दीपा जैन, नेहा जैन सहित बड़ी संख्या में संगिनी फारम जेएसजी मेट्रो की सदस्याओं ने सहभागिता निभाई।

पुण्य रूपी संपदा का उपयोग ज्ञान के साथ धार्मिक क्रिया में करना चाहिए : आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज

बांसवाड़ा (विश्व परिवार)। पुण्यशाली जीव के भंडार भरे रहते हैं, वह समृद्ध होते हैं इस भंडार का सही उपयोग करना चाहिए, धर्म के स्वरूप का चिंतन कर यथार्थ रूप से समझना होगा। जीवन की दिशा को धर्म की ओर परिवर्तित करना होगा मूल में धूल नहीं करना चाहिए। स्वयं का चिंतन जरूरी है जीवन में किये जा रहे कार्यों का मूल्यांकन करें, प्रतिदिन मंदिर में भगवान के दर्शन अभिषेक पूजन माला जाप करते हैं इससे जीवन में बदलाव आने पर तथा धर्म पर आगे बढ़ने पर ही आपकी भक्ति पूजन सार्थक होगी। यह मंगल देशना वात्सल्य वारिधी आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने धर्म सभा में प्रगट की।

समाज सेठ अमृत लाल एवं समाज प्रतिनिधि अक्षय डांगरा अनुसार आचार्य संघ के शिष्य मुनि श्री मुमुक्षु सागर जी ने उपदेश में बताया कि पुण्य का सदुपयोग कर चक्रवर्ती भी वैराग्य धारण करते हैं जबकि वह अतुलनीय संपदा 14 रत्न नव निधि के धारी होते हैं। आपकी आत्मा ज्ञानी, शक्तिमान, और भक्तिमान है अजर अमर ज्ञायक निजानंद स्वरूपीं हैं। इसलिए आत्मा का चिंतन करो और सही धर्म के मार्ग का चयन करो आप भगवान से प्रार्थना करते हैं कि हम संसार के दुखों से पीड़ित है मुझे शाश्वत सुख चाहिए अभी तक चारों गति में भ्रमण करते हुए निगोद ,नरक गति में एक सांस में 18 बार जन्म और मरण भी आपने किया है, इसके बाद स्थावर जीव , त्रस जीव पंचेंद्रीय आदि चारों गति में भ्रमण कर रहे हैं जिस प्रकार जानवर पानी में कितना भी नहा ले वह धूल में लौट लगाता है उसी प्रकार आप लोगों को कितने भी संत समागम में धर्म की वाणी सुनाई जाए मंदिर में आप धार्मिक क्रिया करो उसके बाद विषय भोगों में पूर्णरत हो जाते हो। राजेश पंचोलिया अनुसार आज संघस्थ शिष्या आर्यिका श्री देशना मति माताजी ने केशलोच किए।

जैन मंदिर डीडी नगर में संत भवन का मार्ग प्रशस्त, श्री वासपूज्य विधान सानन्द सम्पन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री 1008 वासुपूज्य दिगंबर जैन मंदिर डी डी नगर मंदिर जी में दिनांक 16 जून 2024 रविवार को भगवान की वेदी के सामने श्री वासुपूज्य विधान ब्रह्मचारी अरुण भैया एवं अंकित भैया के सानिध्य में सानंद संपन्न हुआ।

प्रमुख इंद्र- सौधर्म इंद्र का सौभाग्य श्री दीपक जैन दर्शिल जैन ईसान इंद्र अभिषेक रैना कुबेर इंद्र आशीष श्रद्धा जैन परिवार को प्राप्त हुआ। शांतिधारा करने का सौभाग्य प्रवीण अमिता संघी एवं चौधरी श्री छक्की लाल कस्तूरचंद जैन परिवार को मिला।

संत भवन के लिए अभिषेक कामाक्षी के द्वारा प्रथम स्तंभ लिया गया एवं संजय नायक टैगोर नगर श्री अनिल कुमार संजय जैन महोबा बाजार एवं सभी दानदाताओं ने संत भवन के लिए सहयोग प्रदान किया एवं संगीतमय भक्ति के साथ विधान राजेश रज्जन के द्वारा किया गया।

वात्सल्य भोज के पुण्यार्जक श्री अनिल कुमार संजय कुमार जैन महोबा बाजार रहे।

गिरिराज गुप्पा ने संत निवास हेतु भूमि दान की

मुनिश्री अजीत सागर जी संघ सानिध्य में विद्यासागर संत भवन का हुआ शिलान्यास

जीरापुर (विश्व परिवार)। परम पूज्य आचार्य गुरुवर 108 विद्यासागर महाराज के परम शिष्य मुनि श्री 108 अजीत सागर महाराज संघ का मंगल आगमन सोमवार की बेला में हुआ जहां उनकी भव्य अगवानी की गई एवं पूज्य गुरुदेव संघ की आहारचर्या भी संपन्न हुई।

पूज्य गुरुदेव के सानिध्य से विद्यासागर संत भवन की आधारशिला भी रखी गई। पूज्य गुरुदेव के आशीर्वाद एवं प्रेरणा से श्री गिरिराज गुप्ता एडवांस स्कूल ने 1000 स्क्वायर फीट की भूमि भी संत भवन के लिए दान दी जिसका आज शिलान्यास पूज्य मुनिसंघ सानिध्य में संपन्न हुआ। इस बेला में प्रथम कुदाली चलाने का सौभाग्य भी इसी परिवार को प्राप्त हुआ। आपको बता दें कि संतो के आवास एवं बिहार हेतु कई दूर तक इस क्षेत्र में कोई स्थान नहीं था इसके बाद अब यह कमी भी पूरी हो जाएगी।इन्ही के साथ कार्य कर रहे मिथिलेश जैन ने जब श्री गुप्ता से भूमि हेतु चर्चा की तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि इससे अच्छी बात और क्या होगी और तुरंत ही पूज्य मुनि श्री का आगमन की सूचना भी मिली और शिलान्यास भी हो गया। वही प्रथम शीला रखने का सौभाग्य श्री त्रिलोक सेठ पिडावा को प्राप्त हुआ। पूज्य महाराज श्री ने भी गुप्ता की बहुत तारीफ की और कहा कि यह बहुत अच्छा कार्य है और आपने बहुत पुण्य का कार्य किया आपको बहुत-बहुत आशीर्वाद है और महाराज श्री ने इस संत भवन का नामकरण करते हुए आचार्य विद्यासागर संत भवन किया। इस अवसर पर दूर दराज के भक्त भी मौजूद रहे। सुधीर जैन राजगढ़ से प्राप्त जानकारी। -**अभिषेक जैन लुहाड़िया**

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप जबलपुर नगर द्वारा आयोजित स्व. श्री निर्मलचंद्र जैन स्मृति इनडोर गेम्स टूर्नामेन्ट उद्घघाटित

जबलपुर (विश्व परिवार)। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप जबलपुर नगर द्वारा आयोजित स्व.निर्मलचंद्र जैन स्मृति इनडोर गेम्स टूर्नामेन्ट के अंतर्गत आज कार्यक्रम का उद्घाटन नगर के प्रथम नागरिक महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, एडवोकेट राकेश जैन दादाभाई पार्षद अमरीश मिश्रा, सीए राजेश जैन, राजेश नायक, इनडोर गेम्स चेयरमैन संजय चौधरी, अध्यक्ष सीए मनोज जैन,सचिव राविज जैन, कोषाध्यक्ष अरविंद जैन,गेम्स सहित ग्रुप के पदाधिकारी गण ने आकाश में गुब्बारे उड़ाकर एवं आदिनाथ भगवान के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्जवल करते हुए इनडोर गेम्स प्रतियोगिता का उद्घाटन सम्पन्न किया।इस अवसर पर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू जी ने ग्रुप के इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए दम्पति सदस्यों के ग्रुप अंतर्गत खेलों को एक परिवार जैसे वातावरण का कार्यक्रम बताते हुए स्वास्थ्य के लिये जागृति लाने वाला बतलाते हुए सभी को शुभकामनायें दीं, इस अवसर पर ग्रुप सदस्य सर्वश्री सुधीर जी, प्रफुल्ल, पंकज, पराग, नीलेश,सुरेंद्र,प्रवीण सिंघई, प्रदीप बेटिया,विनय परवार, शांत जैन, शरद सोनू,अजीत नायक,विनोद, प्रफुल्ल जी वैभव सिंघई, राकेश संजीवनी,संतोष लहरी,सुनील जैन,श्रेयांस जैन,राजा टार्जन, सनद जैन का बहुसहयोग रहा। आज टूर्नामेन्ट के दूसरे दिन सुबह बेटमिंटन एवं चेस प्रतियोगिताएँ राइट टाउन स्टेडियम के पूर्ण सज्जित वातानुकूलित हाल में प्रारंभ हुई, ग्रुप प्रतिभागियों के 4 वर्ग एवं महिलायों एवं युवतियों के लिए पृथक वर्ग बनाकर स्पर्धाएं करवाई गई। -**चौधरी संजय जैन**

वार्षिक महोत्सव पर पार्श्वनाथ भगवान का हुआ महा मस्तिष्काभिषेक, पाठशाला के कलशों की स्थापना

उपसर्ग विजेता भगवान पार्श्वनाथ स्वामी के हैं सभी जगह मंदिर

अशोक नगर (विश्व परिवार)। पछाड़ीखेडा रोड़ स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर की तेईस वी वर्षगांठ श्री दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी के तत्वावधान में श्री पार्श्वनाथ ट्रस्ट कमेटी के संयोजक में भक्ति भाव से भगवान के महा मस्तिष्काभिषेक के साथ भक्तों के जय जय कार के वीच श्रद्धा पूर्वक मनाई गई इस दौरान श्री विद्यासागर सर्वोदय पाठशाला पार्श्वनाथ मन्दिर के कलशों की स्थापना ट्रस्ट कमेटी के राजेन्द्र कुमार कल्लू भइया कमेटी के संयोजक मनोज कुमार रत्नौद नगर की लाइफ लाइन डा डी के जैन एवं संजीव कुमार महावीर टी दारा युवा वर्ग के संरक्षण शैलेन्द्र श्रागर के मंत्रोच्चार के वीच स्थापित किया गया इसके पहले आज सुबह से ही भक्तों की दौड़ पार्श्वनाथ मन्दिर की ओर चल रही थी जहां समारोह का शुभारंभ आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज एवं मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन के साथ प्रारंभ हुआ दीप प्रज्जवलन समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद संयोजक मनोज रत्नौद पूर्व संयोजक डॉ डी के जैन मनोज धुर्रा चक्की सहित अन्य प्रमुख जनो ने किया।

समारोह को संबोधित करते हुए जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा परम पूज्य आर्यिका रत्न श्री मृदुमति माताजी कि प्रेरणा से इस जिनालय की नींव पच्चीस वर्ष पहले पड़ी और आचार्य भगवंत के आशीर्वाद से आर्यिका रत्न गुणमतिमाता जी ससंघ के सान्निध्य में सन् दो हजार दो में इस भव्य जिनालय की प्रतिष्ठा हुई तव ही से हम सब भगवान श्री पार्श्वनाथ स्वामी की भक्ति का आनंद लें रहें।

इसके पहले जैन समाज के मंत्री शैलेन्द्र श्रागर के मंत्रोच्चार के वीच भगवान का महा मस्तिष्काभिषेक करने का सौभाग्य सौरव कुमार अतुल कुमार सिंघई दुसरी ओर से मन्दिर संयोजक प्रकाश चन्द्र मनोज कुमार रत्नौद वहीं तृतीय कलश रतनलाल राधेलाल तरावली चतुर्थ कलश सुरेश चंद्र नीरज कुमार धरनावदा मुख्य कलश डॉ डी के जैन ने सौभाग्य प्राप्त किया इसके साथ ही राजेन्द्र कुमार कल्लू भ इया पर्व जैन भव्य सिंघई राम कुमार रत्नौद चिराग जैन ताराचंद जैन प्रमोद कुमार प्रसुन कुमार मंगलदीप आशीष कुमार मलावननी कवूल देवेन्द्र कुमार राजेश कुमार प्रदीप कुमार तार ई शिखर चन्द्र सुनील कुमार सहित अन्य भक्तों को मिला जिनका सम्मान कमेटी के अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद संयोजक मनोज रत्नौद सहित अन्य प्रमुख जन द्वारा किया गया। -**विजय धुर्रा**

बिलासपुर में केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू और डिप्टी सीएम अरुण साव का हुआ भव्य स्वागत

बिलासपुर (विश्व परिवार)। उपमुख्यमंत्री अरुण साव सोमवार को बिलासपुर में केंद्रीय राज्यमंत्री व सांसद तोखन साहू के अभिनंदन समारोह में शामिल हुए। श्री तोखन साहू राज्यमंत्री बनने के बाद पहली बार बिलासपुर पहुंचे, इस अवसर पर शहरवासियों ने चौक-चौराहों में राज्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री का स्वागत किया। राम मंदिर में आयोजित अभिनंदन समारोह में श्री साव ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित पार्टी है। तोखन साहू ने राजनीति की सबसे छोटी इकाई पंच से लेकर केंद्रीय मंत्री तक का सफर तय किया है। इसका श्रेय बिलासपुर की जनता जनार्दन को जाता है। श्री साव ने कहा कि, बिलासपुर संसदीय सीट पर भाजपा 1996 से लगातार परचम फराया है। पहले यह कांग्रेस का गढ़ हुआ करता था लेकिन कार्यकर्ताओं की मेहनत से अब यहां लगातार कमल खिल रहा है। बिलासपुर की जनता ने श्री तोखन साहू को भारी मतों से जीताकर सांसद बनाया है। छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाते हुए पीएम मोदी ने अपने मंत्रिमंडल में उन्हें शहरी विकास और आवास राज्यमंत्री बनाया है।

राज्य स्तरीय अहिंसक आहार पोस्टर प्रतियोगिता का आचार्य श्री वसुनंदी जी महाराज के सानिध्य में हुआ अनावरण

नोयडा सेक्टर 50 में आयोजित वर्षायोग घोषणा कार्यक्रम में राष्ट्रीय कार्यकारिणी रही उपस्थित

नोयडा (विश्व परिवार)। धर्म जागृति संस्थान राजस्थान प्रांत द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय अहिंसक आहार पोस्टर प्रतियोगिता के पोस्टर का अनावरण परम पूज्य आचार्य श्री वसुंनदी महाराज के ससंघ सानिध्य में नोएडा सेक्टर 50 में आयोजित वर्षायोग घोषणा कार्यक्रम के अंतर्गत धर्म जागृति संस्थान की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की उपस्थिति में हुआ।तो आचार्य संघ ने राजस्थान कार्यकारिणी आशीर्वाद देते हुए कहा कि अहिंसक आहार शाकाहार का विस्तृत रूप है।

प्रतियोगिता के मुख्य समन्वयक व धर्म जागृति संस्थान के राष्ट्रीय प्रचार मंत्री संजय जैन बड़जात्या ने बताया कि वर्तमान वर्ष जैन धर्म के अंतिम व चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर का 2550 वाँ निर्वाण वर्ष चल रहा है उसी श्रृंखला में राज्यस्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। धर्म जागृति संस्थान के प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला के अनुसार प्रतियोगिता में प्रथम विजेता को 11000 रुपये द्वितीय को 5100 व अन्य 22 पुरस्कार और प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने बताया 24 वें तीर्थंकर के कुल 24 पुरस्कार प्रतियोगिता में प्रदान किये जायेंगे।

पोस्टर अनावरण के अवसर पर धर्म जागृति संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष योगेश जैन मेरठ, महामंत्री इंजीनियर भूपेन्द्र जैन दिल्ली, संरक्षक वीरेंद्र जैन बाड़मेर, कोषाध्यक्ष राजकमल जैन सरावगी दिल्ली, पंडित मनोज शास्त्री, नरेंद्र जैन तिजारा, दिनेश जैन नोयडा, सुरेश जैन ग्रीन पार्क, रुचिका जैन पहुप, आदिश, आदित आदिश्री जैन सहित धर्म जागृति संस्था के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गोबरा नवापारा सफाई कर्मचारी संघ की बैठक हुई संपन्न, प्रदेश अध्यक्ष व सचिव रहे मौजूद

नवापारा राजिम (विश्व परिवार)। स्वायत्त शासी कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश तिवारी व प्रदेश महामंत्री शरद दुबे तथा नंद कुमार कुशवाहा अध्यक्ष कर्मचारी महासंघ नगर निगम प्रकोष्ठ बिलासपुर शुक्रवार को नवापारा नगर पहुंचे। स्थानीय नवापारा सफाई कर्मचारी संघ के तत्वावधान में इंदिरा मार्केट स्थित संस्कार भवन में आयोजित बैठक में संगठनात्मक विषयों के साथ अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई। इस दौरान नवापारा सफाई कर्मचारी संघ ने प्रदेश स्वशासी कर्मचारी संघ को अपना समर्थन दिया और आगामी दिनों में अपने हित व अधिकार की लड़ाई प्रदेश संघ के साथ मिलकर लड़ने की बात कहीं। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष सुरेश तिवारी ने कहा कि हमारा स्वशासी संगठन कर्मचारियों के हित के लिए कार्य करती आ रही हैं, और आगे भी करती रहेगी। मजदूरों को उनका हक दिलाने के लिए हम वचनबद्ध हैं।

एक दिवसीय धार्मिक यात्रा दल जयपुर लौटा, केशवरायपाटन में 1 जुलाई से 8 दिवसीय कल्प द्रुम विधान का होगा भव्य आयोजन

जयपुर वासियों ने मुनिसुव्रत नाथ भगवान के किये दर्शन

श्रद्धालुओं ने लिया स्वस्ति भूषण माता जी का आशीर्वाद

जयपुर (विश्व परिवार)। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के तत्वावधान में जयपुर से केशवरायपाटन के मुनिसुव्रतनाथ भगवान के दर्शनार्थ एवं केशवरायपाटन में गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माता जी के सानिध्य में कल्प द्रुम विधान एवं क्षेत्र के जीर्णोद्धार के शिलान्यास पर विस्तृत चर्चा हेतु आयोजित मीटिंग में भाग लेने के लिए एक धार्मिक यात्रा दल रवाना हुआ।

राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक यात्रा दल में शामिल श्रद्धालुओं ने रास्ते में अतिशय क्षेत्र मेहंदवास में जैन धर्म के 8 वें तीर्थंकर भगवान चन्द्रप्रभू की अतिशयकारी पद्मासन प्रतिमा के दर्शन लाभ प्राप्त किए। तत्पश्चात यात्रा दल केशवरायपाटन के श्री मुनिसुव्रत नाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पहुचा। जहां 2500 वर्ष प्राचीन भगवान मुनिसुव्रत नाथ की अतिशयकारी पद्मासन प्रतिमा के दर्शन लाभ प्राप्त किए। तत्पश्चात भारत गौरव गणिनी आर्यिका 105 श्री स्वस्ति भूषण माता जी ससंघ के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर जयपुर के श्रद्धालुओं ने क्षेत्र पर चल रहे जीर्णोद्धार कार्य एवं 1 जुलाई से 8 जुलाई के दौरान होने वाले श्री कल्प द्रुम महामण्ड्ल पूजा विधान एवं 12 जुलाई को होने वाले मंदिर जीर्णोद्धार के शिलान्यास समारोह पर विस्तृत चर्चा हेतु आयोजित मीटिंग में सहभागिता निभाई। बैठक में विनोद जैन कोटखावदा, सूर्य प्रकाश छाबड़ा एवं भारतभूषण जैन ने अपने विचार व्यक्त करते हुए होने वाले सभी आयोजनों में सहयोग का विश्वास दिलाया।इस मौके पर पूजनीया माताजी ने अपने आशीर्वचनों में क्षेत्र के भगवान मुनिसुव्रत नाथ की अतिशयकारी प्रतिमा के अतिशयो पर प्रकाश डालते हुए भगवान की आराधना की महिमा बताई। एवं उपस्थित सभी जैन बन्धुओं से कल्प द्रुम विधान एवं शिलान्यास समारोह तथा मंदिर जीर्णोद्धार के कार्य में तन मन धन से जुडने का आव्हान किया। अन्त में गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माता जी द्वारा रचित श्री मुनिसुव्रत नाथ चालीसा का सामूहिक पाठ किया गया।

दल में राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन, प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, प्रदेश मंत्री भारतभूषण जैन, श्री दिगम्बर जैन पदयात्रा संघ जयपुर के वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य सूर्य प्रकाश छाबड़ा, मनीष लुहाडिया, राजेन्द्र जैन मोजमाबाद, गजेन्द्र शाह आदि शामिल थे। देर रात्रि दल जयपुर लौटा।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर मंगलवार 18 जून 2024

संक्षिप्त समाचार

दो भाइयों की हत्या करने वाले 12 आरोपी गिरफ्तार

जगदलपुर(विश्व परिवार)। जगदलपुर कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम इरिकपाल में दोहरे हत्याकांड में अब तक पुलिस ने 12 आरोपियों को पकड़ने में सफलता हासिल की है। वहीं इस हत्या में ग्रामीणों ने बड़े भाई को तीर मारा था, जिसका छोटे भाई ने वीडियो भी बनाया था। गुस्साए ग्रामीणों ने इस मामले में छोटे को भी मौत के घाट उतार दिया था। पुलिस की अलग-अलग टीम ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बताया गया कि 11 जून को ग्राम इरिकपाल में जमीन विवाद व आपसी रंजिश के चलते गांव के ही 12 व्यक्ति आपस में मिलकर योजना बनाकर योगेश कश्यप और चंद्रशेखर कश्यप को मौत के घाट उतार दिया। घटना के बाद सभी आरोपियों के खिलाफ 11 जून को मामला दर्ज कर लिया गया था। चैनसिंह गागड़े, जितेन्द्र उर्फ तुलसीराम नाग, मनीराम नाग, विष्णु गागड़ा, वासुदेव गागड़ा, मानसिंग गागडे, मोतीलाल गागड़े, पंकज गागड़े, धरमसिंग गागड़े, विरेन्द्र गागड़े, किशन कुमार नाग, रतन गागड़े, मोतीलाल गागड़े,पंकज गागड़े , धरमसिंग गागड़े, विरेन्द्र गागड़े, किशन कुमार नाग, रतन गागडे।

यात्रा से पहले सभी यात्रियों का किया जाए स्वास्थ्य परीक्षण : कलेक्टर

जगदलपुर(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ शासन, पर्यटन विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार श्रीरामलला दर्शन (अयोध्या धाम) यात्रा हेतु यात्रियों की समुचित व्यवस्था करने के लिए जिला स्तर पर जिला स्तरीय श्रीरामलला दर्शन यात्रा समिति का गठन किया गया है। कलेक्टर विजय दयाराम के. की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति की बैठक जिला कार्यालय के आस्था सभाकक्ष में रखी गई। बैठक में सभी विकासखंड और नगरीय निकायों से कुल 98 यात्रियों की सूचियों का अनुमोदन किया गया। कलेक्टर ने कहा कि यात्रा के पूर्व सभी यात्रियों का स्वास्थ्य परिक्षण करवाना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही अधिक उम्र के यात्रियों के साथ सहयोगी के रूप में परिवार का कोई सदस्य जाए, जिससे संबंधित बुजुर्ग यात्री की समुचित देखभाल हो सके। इसके अलावा यात्रा के दौरान यात्री अपने सामान की हिफाजत स्वयं करेंगे और आपातकालीन स्थिति के लिए जिला स्तर पर संपर्क हेतु कंट्रोल रूम की स्थापना करने के निर्देश दिए। उक्त बैठक में पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा, जिला पंचायत सीईओ प्रकाश सर्वे, आयुक्त नगर निगम हरेश मंडावी, अति. सीईओ जिला पंचायत एवं समिति के सदस्य और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

लोन वर्राटू से प्रभावित होकर दो नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

दंतेवाड़ा(विश्व परिवार)। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पुलिस के घर वापसी अभियान लोन वर्राटू से प्रभावित होकर नक्सली हथियार छोड़कर समाज की मुख्य धारा से जुड़ रहे हैं। इसी कड़ी में दो नक्सलियों ने शनिवार को पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया है। इनमें एक नक्सली पर 1 लाख रुपए का पुरस्कार घोषित किया गया था। पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा द्वारा नक्सली संगठन के सदस्यों से संगठन छोडने की लगातार अपील की जा रही है। इसके फलस्वरूप संगठन के सदस्यों द्वारा आत्मसमर्पण किया जा रहा है। ककाड़ी पंचायत डीएकेएमएस अध्यक्ष उमेश उर्फ भीमा हेमला, उम्र 35 वर्ष द्वारा उप महानिरीक्षक कमलोचन कश्यप उपमहाद्रीक्षक सीआरपीएफ विकास कठेरिया और पुलिस अधीक्षक के गौरव राय के समक्ष आत्मसमर्पण किया गया। उक्त नक्सली विभिन्न वारदातों में शामिल था इसके फल स्वरुप राज्य शासन द्वारा 1 लाख रुपए का पुरस्कार घोषित किया गया था। इसी कड़ी में गोन्डेरास पंचायत प्लाटून मिलिशिया सदस्य जोगा मुचाकी, उम्र 25 वर्ष द्वारा भी पुलिस अफसर के समक्ष आत्मसमर्पण किया गया। उक्त नक्सली सुकमा जिला अंतर्गत फुलबगड़ी थाना अंतर्गत गोंडेरास गांव का निवासी है। इस समर्पण में सीआरपीएफ की 111 वाहिनी 231 विवाहिनी और विचारधारा की प्रचार प्रसार में शामिल था।

सुरक्षा बलों ने बरामद कीं 3 बारूदी सुरंगें

बीजापुर(विश्व परिवार)। सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के मंसूबों पर पानी फेर दिया। गदामली के करकापारा के पास सड़क से 3 बारूदी सुरंगे मिली। जवानों से भरे वाहनों को निशाना बनाने के लिए नक्सलियों ने सीरियल बम प्लांट कर रखा था। यह पूरा मामला नैमेड थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार, बीजापुर के गदामली के करकापारा के पास से जवानों को 3 बारूदी सुरंगे मिली हैं। नक्सलियों ने जवानों से भरे वाहनों को निशाना बनाने के लिए सीरियल बम प्लांट कर रखा था। बीडीएस ने बम बरामद कर लिया है। वहीं इलाके में सर्चिंग जारी है।

रक्तदान महाभियान में सभी सक्रिय सहभागिता निभाएं : कलेक्टर

विश्व रक्तदान दिवस पर जनप्रतिनिधियों-अधिकारियों सहित नागरिकों ने किया रक्तदान

जगदलपुर (विश्व परिवार)। विश्व रक्तदान दिवस पर शुक्रवार को जिला रेडक्रॉस सोसायटी के तत्वावधान में जिला महारानी चिकित्सालय परिसर के अंबक अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सांसद बस्तर महेश कश्यप ने कहा कि रक्तदान मानव सेवा का पुनीत कार्य है। उन्हें अनेक बीमारियों एवं ऑपरेशन के दौरान मरीजों को रक्त की अत्यंत जरूरत पड़ती है साथ ही दुर्घटनाग्रस्त लोगों को अक्सर खून की आवश्यकता होती है। कई बार समय पर रक्त उपलब्ध नहीं होने पर व्यक्ति की जान संकट में आ जाती है, ऐसे वक्त ब्लड बैंक में उपलब्ध खून मरीज को जीवनदान देती है। सांसद कश्यप ने रक्तदान करने के लिए बड़ी संख्या में जुटे सभी लोगों को धन्यवाद देते हुए कहा कि रक्तदान-महादान है लोगों के जीवन को बचाने की यह ललक प्रेरणादायी है। इस दौरान कलेक्टर एवं अध्यक्ष रेडक्रॉस सोसायटी विजय दयाराम के. ने कहा कि रक्तदान महाभियान में सभी सक्रिय सहभागिता निभाएं ताकि जरूरतमंद को तत्काल खून की उपलब्धता सुनिश्चित हो। उन्होंने रक्तदान शिविर में उपस्थित सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किए। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष मनीराम कश्यप सहित अन्य जनप्रतिनिधियों, कलेक्टर और सीईओ जिला पंचायत प्रकाश सर्वे,आईएफएस डॉ.वेंकटेश तथा अन्य अधिकारियों ने उत्साह के साथ रक्तदान किया। वहीं समाजसेवी संस्थाओं के पदाधिकारियोंएवं सदस्यों, पत्रकारों के साथ ही सीआरपीएफ, पुलिस बल एवं होमगार्ड के जवानों, नागरिकों एवं बड़ी संख्या में युवोदय के स्वयंसेवक तथा एनसीसी कैडेट्स ने रक्तदान किया। इस मौके पर रक्तदाताओं को जूस एवं फल प्रदाय कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। वहीं उन्हें प्रमाण पत्र प्रदान कर मानव सेवा के इस पुनीत कार्य में सतत सहयोग प्रदान करने प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरके चतुर्वेदी, सिविल सर्जन डॉ.संजय प्रसाद और अन्य अधिकारियों के अलावा रेडक्रॉस सोसायटी के उपाध्यक्ष एलेक्जेंडर चेरियन सहित जनप्रतिनिधिगण, जिला अस्पताल के चिकित्सक-पैरामेडिकल स्टॉफ तथा स्वयंसेवी रक्तदाता उपस्थित थे। रक्तदान-महादान की प्रासंगिकता बनाने में बल्ड ट्रांसफ्यूजन के जनक कार्ल लेंड स्टीन्जर का बहुत बड़ा योगदान है। उनका जन्म 14 जून 1868 में हुआ था और उनके जन्मदिवस पर प्रत्येक वर्ष विश्व रक्तदान दिवस मनाया जाता है। जिससे अधिकाधिक रक्तदाता मानव सेवा के लिए रक्तदान कर इस पुनीत कार्य में योगदान दे सकें। शुक्रवार को जिला महारानी चिकित्सालय परिसर के अंबक अस्पताल में आयोजित रक्तदान महाअभियान शिविर में करीब 200 से अधिक रक्तदाताओं ने रक्तदान कर कार्ल लेंड स्टीन्जर के इस मानवीय संवेदना के महत्वपूर्ण अभियान में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर अन्य लोगों को भी इस दिशा में प्रोत्साहित किया।

कृत्रिम अंग व उपकरण मिलने से दिव्यांग वृद्धजनों को चेहरों पर आई मुस्कान

माना आभार, कहा अब जिन्दगी होगी आसान

दंतेवाड़ा(विश्व परिवार)। मुझे कृत्रिम पैर मिला है अब मुझे नर्सरी की देखरेख में कोई दिक्कत नहीं होगी। इसके लिए मैं जिला प्रशासन का आभारी हूं।% यह कथन है कई साल पहले बम विस्फोट में अपना पांव खो चुके ग्राम नेरली के दिव्यांग हुंगाराम का। इस तरह की अपनी भावनाओं का व्यक्त करते हुए गीदम के श्रवण बाधित कार्तिक का कहना है कि अब श्रवण यंत्र मिलने से अब वे अच्छे तरीके से लोगों की बात को सुन पायेगें। ग्राम गुडडरा की दिव्यांग कुमारी कोसी का कहना है कि ट्राइसिकल मिलने से सबसे पहले वह बिना किसी मदद के अपने रिश्तेदारों के घर जाना चाहेगी। इसी तरह अनेक दिव्यांग और वृद्धजन शुक्रवार को मुख्यालय के इनडोर स्टेडियम में उपस्थित थे, जिन्हें क्षेत्र के विधायक चैतराम अटामी के उपस्थिति में नि:शुल्क कृत्रिम हाथ पैर, कैलिपर्स, व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र, सामान्य ट्रायसिकल, वॉकर, बैसाखी, छड़ी जैसे उपकरण प्रदाय किया गया। कार्यक्रम में विधायक चैतराम अटामी ने कहा कि कैंप के आयोजन को सराहनीय पहल बताते हुए कहा कि भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, जयपुर एवं जिला प्रशासन के सहयोग से जिला दंतेवाड़ा में दिव्यांगजनों एवं वृद्धजनों के लिए 3 दिवसीय जयपुर फूट कैंप का आयोजन किया जा रहा है। आज इस ''फूट कैंप'' के माध्यम से दूरदराज गांव से आए दिव्यांग एवं वृद्धजनों लाभान्वित हुए है और उनका जीवन पहले से आसान हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि दंतेवाड़ा जिला छत्तीसगढ़ के आखिरी छोर पर है जो आंध्र प्रदेश एवं उड़ीसा राज्य से घिरा हुआ है। ऐसी भौगोलिक परिस्थिति में रहने वाले निवासियों के लिए ऐसे शिविर का आयोजन और भी ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है। भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, के विशेषज्ञ सुदूर राजस्थान के जयपुर से शिविर का आयोजन करने यहां आए हैं, इस मानवतापूर्ण प्रयास के लिए विशेषज्ञों और पूरी टीम का मैं अभिनंदन करता हूं। इस कैंप के माध्यम से जो दिव्यांगजनों एवं वृद्धजनों चल नहीं सकते, सुन नहीं सकते और कुछ काम नहीं कर सकते, ऐसे दिव्यांगजन एवं वृद्धजनों के लिए यह शिविर लाभकारी होगा। यह एक बहुत ही सराहनीय पहल है। ऐसा कैंप का आयोजन जिले में निरंतर होना चाहिए।

यातायात पुलिस ने ट्रैक्टर संघ, सदस्य, ट्रैक्टर मालिक एवं ट्रैक्टर चालक की मीटिंग ली

शार्ट फिल्म दिखाकर यातायात नियमों का पढाया गया पाठ सड़क दुर्घटना की सूचना देने व घायलों की मदद करने बनाया गया सड़क सुरक्षा मितान

धमतरी(विश्व परिवार)। ट्रैक्टर से हो रही सड़क दुर्घटना को मद्देनजर पुलिस अधीक्षक महोदय श्री आंजनेय वार्ष्णेय के निर्देशानुसार उप पुलिस अधीक्षक यातायात श्री मणिशंकर चन्द्रा द्वारा शहर के यातायात व्यवस्था को लेकर ट्रैक्टर संघ के अध्यक्ष, सदस्य, टैक्टर मालिकों एवं चालकों की बैठक आयोजित की गई बैठक के दौरान उप पुलिस अधीक्षक यातायात के द्वारा एजेंडा बिन्दु में चर्चा करते हुए बताया गया कि बिना परमिट के वाहन न चलायें। (कृषि परमिट में माल परिवहन न करें), शहर के अंदर एवं आबादी क्षेत्र में 20 किमी प्रति घंटे की गति से वाहन चलाएँ, ट्रैक्टर की न्यूनत गति 40 किमी प्रतिघंटा है, नियत सीमा में ही वाहन चलाएँ, प्रशिक्षित एवं अनुभवी चालक रखें, जिसके पास टी-ड्रायविंग लायसेंस हो वैसे चालकों को ट्रैक्टर चालक रखें, टी-ड्रायविंग लायसेंस परिवहन विभाग या ऑनलाईन पोर्टल से बनाया जाता है, ट्रैक्टर का बीमा अनिवार्य रूप से करवायें, नाबालिक, बिना लायसेंस धारी चालक को ट्रैक्टर चालक न रखें, ट्रैक्टर को हमेशा धीरे-धीरे रोकें, रेत-गिट्टी का परिवहन के दौरान पीट-पास साथ रखें, वाहन में निर्धारित की गई क्षमता से अधिक माल लोड न करें, ट्राली से उपर माल लोड न करें, चालक सीट के बगल में बैठने के स्थान को लोहे के एंगल से सुरक्षित घेरा बनाये, ट्रैक्टर के आगे में दोनो तरफ मिरर लगाये ताकि चालन के दौरान चालक पीछे स्पष्ट रूप से देख सकें, ट्रैक्टर के टूल बाक्स व डाला के उपर किसी को न बिठाये।

अंतर्राष्ट्रीय खेल दिवस पर आंगनवाड़ी केंद्रों में विभिन्न खेलों का अयोजन

बीजापुर(विश्व परिवार)। बच्चों के सर्वांगीण विकास में खेलों के महत्व को दृष्टिगत रखते अन्तर्राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग बीजापुर के निर्देशन में व यूनिसेफ और विक्रमशिला एजुकेशन रिसोर्स सोसाइटी के मार्गदर्शन में जिले के समस्त आंगनबाड़ी केंद्रों में दिनांक 11 जून 2024 को परवरिश के चैंपियन वर्णमाला बुक के माध्यम से ष्ख से खेल शब्द पर पालक सत्र अयोजित किया गया जिसमे पालकों व बच्चों के साथ ग्राम स्तरीय विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया। इसी के तहत जिला बीजापुर के ब्लाक भैरमगढ़ ग्राम नेलसनार में विक्रमशिला एजुकेशन रिसोर्स सोसाइटी के जिला समन्वयक जगत मलहोत्रा की उपस्थिति में पालक सत्र के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के खेल जैसे कबड्डी, बोरा दौड़, मेढ़क दौड़, क्रिकेट, चमच्च दौड़, रस्सा खिंच, पिट्ठुल, बिल्लस आदि खेलों का आयोजन किया गया। बच्चों के समग्र विकास में खेलों की भूमिका पर चर्चा के दौरान पालकों ने कहा कि अब हम प्रतिदिन बच्चों के साथ खेलेंगे जिससे उनके समग्र विकास में मदद मिलेगी। इस अवसर पर नेलसनार के सरपंच सीताराम कश्यप ने भविष्य में भी बच्चों और पालकों के साथ इस प्रकार से खेल आयोजित करने की बात कही, जिससे बच्चों और पालकों के बीच भावनात्मक बंधन को मजबूत होगा। इस अवसर पर सीडीपीओ पूनम, पर्यवेक्षक एवं बीजादुतीर से स्वयं सेवक साथियों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष सहयोग दिया।

जनप्रतिनिधियों की चेतावनी के बाद भी नहीं सुधर रही पाली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाएं

कोरबा-पाली(विश्व परिवार)। अपने नये-नये कारनामो के कारण हमेशा सुर्खियों में रहने वाले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाली अस्पताल आईसीयू से बाहर नहीं निकल पा रहा है। विगत दिनों एक दुर्घटना में आहत व्यक्ति को लेकर जब ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाली पहुंचे तब स्वास्थ्य केंद्र के पास ना तो व्हीलचेयर थी और ना ही स्ट्रेचर। साथ ही अस्पताल में डॉक्टर भी उपस्थित नहीं थे जिससे नाराज होकर ग्रामीणों ने विरोध दर्ज कराया था। साथ ही क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने भी नाराजगी जताते हुए व्यवस्था सुधारने कहा था किंतु आज भी व्यवस्थाएं सुधरने का नाम नहीं ले रही हैं। अस्पताल के कमरा नंबर 5 को चिकित्सक कक्ष बनाया गया है जिसमें चिकित्सक बैठते ही नहीं और अगर बैठते भी हैं तो पल भर के लिए। बाकी समय अपने निज निवास एवं स्व संचालित क्लिनिक में उपचार करते नजर आते हैं। बुधवार शाम करीब 6 बजे अस्पताल में चिकित्सक कक्ष क्रमांक 5 में देखा गया तो वहां पर कोई भी चिकित्सक उपलब्ध नहीं था। पूछने पर पता चला कि डॉक्टर साहब अपने निवास या क्लीनिक में होंगे, जरूरत पड़ने पर उन्हें बुलाया जाएगा। पूरा अस्पताल भगवान भरोसे चल रहा है ऐसा प्रतीत होता है विगत दिनों एक ग्रामीण अपने दांत की परेशानियों को लेकर दंत रोग विशेषज्ञ के पास सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाली पहुंचा था जहां पर उसने पर्ची कटा कर दांतों के डॉक्टर वाले कक्ष में प्रवेश किया। उपस्थित एक व्यक्ति ने अपने आपको डॉक्टर बताते हुए इलाज आरंभ कर दिया और मरीज से बोला कि आपके दांतों का एक्स-रे होना है जिसकी सुविधा हमारे अस्पताल में नहीं है और अभी मशीनों में कुछ तकनीकी खराबियां आ गई है इसलिए निजी दंत चिकित्सक के पास अपना उपचार कर सकते हैं। इसके कुछ समय पश्चात असली डॉक्टर ने कक्ष में प्रवेश किया तो पता चला कि सामने जो बैठा है वह नकली डॉक्टर है। फिर ग्रामीण नाराजगी जताते हुए और शिकायत की बात कहते हुए वहां से चले गए ।

हेलमेट के उपयोग को सभी मिलकर सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में दें बढ़ावा - वित्त मंत्री

जिला पुलिस के हेलमेट वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए वित्त मंत्री

रायगढ(विश्व परिवार)। यातायात जागरूकता को लेकर जिला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस बिना हेलमेट वाहन चालकों का मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालानी कार्रवाई कर हेलमेट का वितरण किया जा रहा है। आज छातामुड़ा चौक में आयोजित हेलमेट वितरण कार्यक्रम में प्रदेश के वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी शामिल हुए। कलेक्टर श्री कार्तिकेया गोयल व पुलिस अधीक्षक श्री दिव्यांग कुमार पटेल भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी ने कहा कि सड़क में दोपहिया चलाते हुए हेलमेट का उपयोग किए जाने का महत्व हम सभी को पता है। सड़क दुर्घटनाओं में बिना हेलमेट के गाड़ी चलाना लोगों के जान जाने का बड़ा कारण है। लेकिन अधिकांश लोग इसको नजरंदाज कर देते हैं। जब तक स्वयं पर विपदा नहीं आती तब तक मामले की गंभीरता नही समझने की प्रवृत्ति छोडनी चाहिए। परिवार में किसी की भी असमय मृत्यु से पूरा परिवार बुरी तरह से प्रभावित होता है। उन्होंने सभी से अपील करते हुए कहा कि अपनी सुरक्षा और अपने परिवार, समाज और देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझे, गाड़ी चलाते समय हेलमेट जरूर पहने। ट्रैफिक नियमों का पालन जरूर करें। उन्होंने कहा कि पुलिस अधीक्षक श्री दिव्यांग कुमार पटेल के नेतृत्व में रायगढ़ पुलिस का 5 हजार हेलमेट वितरण का यह अभियान समाज में सड़क सुरक्षा का महत्वपूर्ण संदेश दे रहा है। हमें हेलमेट के उपयोग को सामाजिक जिम्मेदारी समझ कर सभी के द्वारा इसके उपयोग को बढ़ावा देने की जरूरत है। जिला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे हैं विशेष अभियान को लेकर पुलिस अधीक्षक श्री दिव्यांग कुमार पटेल ने बताया कि सड़क दुर्घटना में हो रही अधिकांश मौतें दुपहिया वाहन के चालक द्वारा हेलमेट नहीं पहनने के कारण हुई है।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर मंगलवार 18 जून 2024

व्यापार समाचार

हुंडई मोटर्स लाएगी 25,000 करोड़ रुपये का आईपीओ, कंपनी ने सेबी के पास जमा कराए ड्राफ्ट पेपर

मुंबई(एजेंसी)। हुंडई मोटर्स इंडिया लिमिटेड की ओर से शनिवार को भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास 25,000 करोड़ रुपये (करीब 3 अरब डॉलर) का आईपीओ लाने के लिए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) जमा कराया गया। डीआरएचपी में दी गई जानकारी में बताया गया कि इस आईपीओ के तहत कंपनी 10 रुपये की फेस वैल्यू वाले 14,21,94,700 शेयर ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के तहत बेचेगी। इस ओएफएस में कंपनी के प्रमोटर्स की ओर से शेयरों की बिक्री की जाएगी। कंपनी द्वारा आगे कहा कि आईपीओ के जरिए फर्म इक्विटी शेयरों को एक्सचेंज पर लिस्ट कर लिस्टिंग के फायदे हासिल करना चाहती है। हमें उम्मीद है कि इक्विटी शेयरों को लिस्ट करने से विजिबिलिटी और ब्रांड इमेज बढ़ेगी। अगर हुंडई मोटर्स के आईपीओ को सेबी से मंजूरी मिल जाती है, तो ये अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ होगा। फिलहाल लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एलआईसी) की ओर से 2022 में लाया गया 2.7 अरब डॉलर का आईपीओ अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ है। हुंडई मोटर्स की ओर से कोटक महिंद्रा, सिटीबैंक, मॉर्गन स्टेनली, जेपी मॉर्गन और एचएसबीसी को शेयर बाजार में एंट्री के लिए ग्लोबल इन्वेस्टमेंट बैंक नियुक्त किया गया है। मई में हुंडई मोटर्स इंडिया की बिक्री में सालाना आधार पर 7 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई थी और यह 63,551 यूनिट्स थी। यात्री वाहन बिक्री के मामले में हुंडई मोटर्स मारुति सुजुकी के बाद देश की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी है। कंपनी ने भारत में अपना पहला मैन्युफैक्चरिंग प्लांट 1998 में लगाया था, जबकि दूसरा 2008 में शुरू किया था। पिछले वर्ष हुंडई मोटर्स ग्रुप ने भारत में करीब 3.75 अरब डॉलर के निवेश का ऐलान किया था।

केंद्र सरकार ने कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स घटाया

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्र सरकार ने कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स में भारी कटौती करते हुए इसे 3,250 रुपये प्रति टन कर दिया है। पिछले पखवाड़े यह 5,200 रुपये प्रति टन था। सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक, कर की नई दर 15 जून से प्रभावी हो गई है। डीजल, पेट्रोल और विमान ईंधन (एटीएफ) पर विंडफॉल टैक्स को शून्य बरकरार रखा गया है। सरकार द्वारा हर 15 दिन में विंडफॉल टैक्स की समीक्षा की जाती है। हाल के महीनों में कई बार कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स कम किया जा चुका है। एक जून को इसे 5,700 रुपये प्रति टन से घटाकर 5,200 रुपये प्रति टन किया गया था। वहीं, 16 मई को सरकार ने कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स 8,400 रुपये से घटाकर 5,700 रुपये प्रति टन कर दिया था। इससे पहले 1 मई को इसे 9,600 रुपये से घटाकर 8,400 रुपये प्रति टन किया गया था। कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स कम करने का सीधा फायदा घरेलू स्तर पर पेट्रोलियम उत्पादक कंपनियों जैसे ओएनजीसी और ऑयल इंडिया को मिलता है। कच्चे तेल की कीमत बढ़ने के कारण कंपनियों को हो रहे अप्रत्याशित लाभ पर विंडफॉल टैक्स लगाया जाता है। इसे जुलाई 2022 से शुरू किया गया था।

बारिश से धुला अमेरिका-आयरलैंड का मैच, विश्व कप से बाहर हुआ पाकिस्तान

नई दिल्ली(एजेंसी)। फ्लोरिडा में शुक्रवार को सह-मेजबान अमेरिका और आयरलैंड के बीच मैच बारिश के कारण रद्द हो गया। इस तरह ग्रुप-ए में भारत के बाद अमेरिका सुपर-8 में पहुंचने वाली दूसरी टीम बन गई, यानी टूर्नामेंट के अगले दौर में पहुंचने की पाकिस्तान की सभी उम्मीदें अब खत्म हो चुकी हैं। बाबर आजम की टीम का हालांकि अभी एक मैच बाकी है लेकिन वो इससे पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो गई है। ग्रुप-ए से भारत के बाद सुपर-8 में पहुंची वाली दूसरी टीम अमेरिका है। ग्रुप-ए के समीकरण को ध्यान में रखकर बाबर आजम की टीम आयरलैंड के खिलाफ अमेरिका की हार की दुआ कर रहा था। जबकि अगले दौर में पहुंचने के लिए अमेरिका को कम से कम एक अंक की आवश्यकता थी। आयरलैंड के खिलाफ उसका मैच बारिश के कारण रद्द होने के बाद उसे यह अंक मिल गया और इस तरह अमेरिका ग्रुप-ए से सुपर 8 के लिए क्वालीफाई करने वाली दूसरी टीम बन गई। पाकिस्तान की टीम के लिए यह विश्व कप काफी खराब रहा। अपने पहले ही मैच में उसे अमेरिका के खिलाफ बड़ा उलटफेर का सामना करना पड़ा था। इसके बाद भारत के खिलाफ मिली हार के बाद सुपर आठ में उसके पहुंचने का समीकरण काफी कठिन हो चुका था और यह दूसरी टीमों के परिणामों पर निर्भर था। अमेरिका-आयरलैंड के मैच से पहले पाकिस्तान के लिए सुपर आठ में पहुंचने का एक ही रास्ता था कि अमेरिका की टीम बिना कोई अंक दर्ज किए अपना आखिरी मैच हार जाए और पाकिस्तान अपने आने वाले मुकाबले में जीत दर्ज करे। अगर अमेरिका की टीम आयरलैंड के खिलाफ हार जाती और पाकिस्तान अपना आखिरी मैच जीत जाता तो उसके पास भी चार अंक ही होते। हालांकि ऐसा नहीं हुआ और रद्द हुए मैच के कारण यूएसए को एक अंक मिल गया और वह पांच अंकों तक पहुंच गया। इसका मतलब है कि पाकिस्तान इस अंक तक पहुंच ही नहीं पाएगा और वह इस विश्व कप से बाहर हो गया है। पाकिस्तानी टीम के टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद उसकी खूब आलोचना हो रही है। सोशल मीडिया पर क्रिकेट फैंस उन्हें टारगेट कर रहे हैं। यह मुद्दा सोशल मीडिया पर ट्रेंडिंग टॉपिक बन गया है। मीम्स और पाकिस्तानी टीम पर खूब चुटकुले बने, जिसमें फैंस ने अपनी भड़ास निकाली। सोशल मीडिया पर एक यूजर ने एक्स पर लिखा, बाय बाय पाकिस्तान। एक अन्य ने लिखा, पाकिस्तान टी20 विश्व कप 2024 के ग्रुप चरण से बाहर हो गया है। शर्म आनी चाहिए। हमारे ग्रुप में अमेरिका, कनाडा, आयरलैंड और भारत थे, लेकिन हम फिर भी क्वालीफाई नहीं कर पाए।

न्यूजीलैंड ने दो हार के बाद बड़ी जीत के साथ खोला खाता

ट रू ब ा (त्रिनिदाद)(एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने ग्रुप सी में युगांडा को 9 विकेट से रौंदकर टी20 विश्व कप 2024 में अपनी पहली जीत दर्ज की। कप्तान केन विलियमसन ने युगांडा के खिलाफ अपनी टीम के शानदार प्रदर्शन की सराहना की। टॉस जीतकर न्यूजीलैंड ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। कीवी गेंदबाजों ने युगांडा को शुरुआती झटके दिए, जिससे यह टीम उबर नहीं पाई। युगांडा के टॉप 5 बल्लेबाजों में तीन बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गए, जबकि अन्य दो बल्लेबाज कुल 13 रन ही जोड़ पाए। मैच में साउदी ने अपने स्पेल में मात्र 7 रन देकर सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। मैच में साउदी के 3 विकेट के अलावा ट्रेंट बोल्ट, मिचेल सेंटनर और रचिन रविंद्र ने 2-2 विकेट झटके। लॉकी फर्ग्यूसन को 1 विकेट मिला। युगांडा की टीम 18.4 ओवर में केवल 40 रन ही बना सकी। टीम के लिए सबसे ज्यादा रन केनेथ वैसवा (11 रन) ने बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए, डेवोन कॉनवे के नाबाद 22 रन ने उन्हें ब्रायन लारा स्टेडियम में 9 विकेट से जीत दिलाई। युगांडा से मिले 41 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने 5.2 ओवरों में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। एलन 17 गेंदों में 9 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, कॉन्वे 15 गेंदों में 22 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने 4 चौके लगाए। रचिन रवींद्र 1 रन बनाकर नॉट आउट रहे। विलियमसन ने मैच के बाद कहा, थोड़ा आराम, फिर प्रशिक्षण और मैदान में नए जोश के साथ उतरने की जरूरत है। पिच बेशक मुश्किल थी लेकिन टीम ने इस मुकाबले में अपना बेस्ट दिया। उन्होंने कहा, हमारे खिलाड़ी अच्छे थे। यह एक कठिन सतह थी। विचारों और तरीकों पर बहुत अधिक नियंत्रण नहीं था। इससे फर्क पड़ा। हमने पिछले मैच में देखा कि यह अलग है, इस मैच में इस तरह से खेलना बेहतर था। टीमों को उच्चतम स्तर पर अधिक अनुभव मिल रहा है, जो एक टीम के रूप में विकसित होने में मदद करता है। इस तरह के अनुभव से हमेशा कुछ नया सीखने को मिलता है। अपने पिछले मैचों में न्यूजीलैंड को अफगानिस्तान और सह-मेजबान वेस्टइंडीज के खिलाफ हार झेलनी पड़ी। जिससे टीम टूर्नामेंट के अगले दौर में प्रवेश करने से चूक गई। न्यूजीलैंड की टीम टूर्नामेंट के सुपर आठ चरण से बाहर हो गई है और सोमवार को इसी वेन्यू पर अपना अंतिम मैच खेलेगी।

आखिरी गेंद पर द. अफ्रीका ने तोड़ा नेपाल का सुपर-8 में पहुंचने का सपना

किंग्सटाउन(एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका ने टी20 विश्व कप के 31वें मैच में नेपाल को 1 रन से हरा दिया। इस मैच में नेपाल के पास अफ्रीकी टीम के खिलाफ बड़ा उलटफेर करने का एक सुनहरा मौका था, लेकिन वह ऐसा नहीं कर सके। टूर्नामेंट में बने रहने के लिए नेपाल को आखिरी गेंद पर दो रन की जरूरत थी, लेकिन हेनरिक क्लासेन ने नॉन-स्ट्राइकर छोर पर नेपाल के गुलसन झा को रन आउट कर दिया, जिससे सुपर ओवर की संभावना खत्म हो गई। यह नेपाल के लिए दिल तोड़ने वाला अंत था, जिसने मैच के अधिकांश समय में दक्षिण अफ्रीका से बेहतर प्रदर्शन किया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए नेपाल की टीम ने दक्षिण अफ्रीका को मात्र 115 के स्कोर पर रोक दिया था और लक्ष्य का पीछा करते काफी अच्छी स्थिति में थी। पूरे मुकाबले में नेपाल ने दक्षिण अफ्रीका पर दबदबा बनाए रखा। नेपाल के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 14वें ओवर तक 85/2 का स्कोर बना लिया था, यहां से नेपाल इतिहास रचने के बेहद करीब था।लेकिन दूसरी पारी के आखिरी 18 गेंदों में मैच की कहानी पूरी तरह से पलट गई। तबरेज शम्सी ने साउथ अफ्रीका की इस जीत में अहम भूमिका निभाते हुए चार महत्वपूर्ण विकेट झटके। मैच का टर्निंग पॉइंट आखिरी के 3-4 ओवर रहे। आखिरी के पांच ओवर में नेपाल को 25 रन चाहिए थे। टीम के पास 7 विकेट हाथ में थे। यहां से दक्षिण अफ्रीका ने मैच पलटा और अपने नाम कर लिया। इस दौरान नेपाल ने 4 विकेट खोए और 25 रन बनाने में भी नाकाम रहा। नेपाल 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 114 रन ही बना सका।

महंगाई में कमी आने से ऑल टाइम हाई पर शेयर बाजार, छोटे और मझोले शेयरों में बड़ी तेजी

मुंबई(एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार के लिए पिछला कारोबारी हफ्ता काफी शानदार रहा। बाजार में यह लगातार दूसरा हफ्ता था, जब बाजार के मुख्य सूचकांक निफ्टी और सेंसेक्स उच्चतम स्तर पर बंद हुए। आंकड़ों की बात करें तो 14 जून को समाप्त हुए हफ्ते में सेंसेक्स में 299 अंक या 0.39 प्रतिशत बढ़कर 76,992 और निफ्टी 175 अंक या 0.75 प्रतिशत बढ़कर 23,465 अंक पर बंद हुआ। इस दौरान बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के मुख्य बेंचमार्क ने 77,145 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के मुख्य बेंचमार्क ने 23,490 का उच्चतम स्तर को छुआ। सरकार द्वारा बुधवार को जारी किए गए आंकड़ों में बताया गया कि मई में खुदरा महंगाई दर गिरकर 4.75 प्रतिशत रह गई है, जो कि अप्रैल में 4.83 प्रतिशत थी। बीते हफ्ते विदेशी और घरेलू निवेशकों दोनों ने जमकर भारतीय बाजारों में निवेश किया। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 2,030 करोड़ रुपये और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 6,293 करोड़ रुपये का निवेश किया। स्मॉल कैप और मिडकैप शेयरों में इस दौरान जबरदस्त तेजी देखने को मिली है। बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स ने 5 प्रतिशत का रिटर्न दिया है और बीएसई मिडकैप इंडेक्स ने 4.4 प्रतिशत का रिटर्न इस दौरान दिया है। स्मॉलकैप में पीटीसी इंडस्ट्रीज, एवनटेल, होंडा इंडिया पावर प्रोडक्ट्स, पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजी, एचसीसी, जीटीएल इंफ्रास्ट्रक्चर, वार्डविजार्ड इनोवेशन एंड मोबिलिटी, ईआईएच एसोसिएटेड होटल्स, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया, रिलायंस पावर और एशियन ग्रैनिटो इंडिया ने 25 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न दिया है।

अब सब्जियों की कीमतों पर सरकार की नजर महंगाई रोकने उठा रही जरूरी कदम

नईदिल्ली(एजेंसी)। देश में बढ़ती खाद्य महंगाई ने आम लोगों की कमर तोड़ दी है, ऐसे में ये सरकार के लिए भी चुनौती बनी हुई है. लेकिन अब सरकार खाद्य मुद्रास्फीति पर काबू पाने के लिए कुछ जरूरी कदम उठाने जा रही है. इसके लिए सरकार आवश्यक वस्तुओं की सूची में 16 नए नामों को शामिल करने पर विचार कर रही है. दरअसल, सरकारी की योजना सब्जियों को भी निगरानी सूची में डालने की है. क्योंकि आवश्यक वस्तुओं की सूची में शामिल चीजों की कीमतों पर सरकार नजर रखती है. ऐसा करने से इनकी कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलती है. यही नहीं कीमतों में अत्यधिक बढ़ोतरी होने पर भी सरकार दाम को नियंत्रित करने के लिए हस्तक्षेप भी करती है. बता दें कि खाने-पीने की चीजों में सबसे ज्यादा उतार-चढ़ाव सब्जियों की कीमतों में देखने को मिलता है. इसलिए सरकार मूल्य निगरानी वाली 16 नई संभावित वस्तुओं में सब्जियों को शामिल करने जा रही है. गौरतलब है कि फिलहाल सरकार इस सूची में शामिल सिर्फ 22 वस्तुओं की कीमतों की ही निगरानी करती है. अब इस सूची में 16 नाम और जुड़ने जा रहे हैं. इसके बाद इनकी संख्या बढ़कर 38 हो जाएगी. इस सूची में शामिल जरूरी वस्तुओं की कीमतों होने वाले फेरबदल पर सरकार नजर रखती है. इससे सरकार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर इनके पड़ने वाले प्रभाव का आंकलन कर सकेगी. बता दें कि देशभर के 167 केंद्रों से इन वस्तुओं के थोक और खुदरा कीमतों को रोजाना एकत्रित किया जाता है. इसके बाद इनका विश्लेषण किया जाता है. आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ने पर सरकार हस्तक्षेप करके कीमतों को नियंत्रित करती है. इन हस्तक्षेपों को मूल्य स्थिरीकरण कोष अथवा मूल्य समर्थन योजना जैसी स्कीमों के जरिए आगे बढ़ाया जाता है. बता दें कि मई के महीने में थोक मुद्रास्फीति में बढ़ोतरी दर्ज की गई. तो वहीं खाद्य वस्तुओं की कीमतों में मामूली गिरावट से खुदरा मुद्रास्फीति घटकर 4.75 फीसदी पर आ गई है. जबकि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रास्फीति अप्रैल में 4.83 फीसदी थी.

OPPO ने भारत का पहला IP 69-रेटेड सुपर-रग्ड मॉनसून-रेडी फोन F27 PRO+ 5G पेश किया

नईदिल्ली। OPPO इंडिया ने एफ27 प्रो+5जी पेश किया है। यह देश का पहला आईपी66, आईपी68 और आईपी69 रेटेड सुपर रग्ड, मॉनसून रेडी स्मार्टफोन है। एफ27 प्रो+ दो रंगों - डस्क पिंक और मिडनाईट नैवी में मिलेगा और 128जीबी स्टोरेज के लिए इसका मूल्य 27,999 रुपये एवं 256जीबी वैरिएंट के लिए 29,999 रुपये होगा। इस स्मार्टफोन में OPPO का फुल डिवाईस प्रोटेक्शन सॉल्यूशन - डैमेज रूफ360 डिग्री आर्मर बॉडी है, जो डिवाईस को ड्रॉप और स्क्रैच से सुरक्षा प्रदान करती है। इसमें चार साल तक टिकाऊ 5,000 एमएएच की बैटरी लगी है। इस लॉन्च के बारे में सैवियो डीसूज़ा, डायरेक्टर, प्रोडक्ट कम्युनिकेशंस, OPPO इंडिया ने कहा, ''OPPO F27 PRO+ 5G उन ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप है, जो सदैव गतिशील रहते हैं, और जिन्हें एक ऐसे स्मार्टफोन की जरूरत है, जो चाहे धूप हो या बारिश, हमेशा उनके साथ रहे। यह एकमात्र स्मार्टफोन है, जिसे सभी तीन आईपी66, आईपी68 और आईपी69 रेटिंग मिली हैं और यह धूल एवं पानी से सर्वाधिक सुरक्षा प्रदान करता है। साथ ही इसमें 360 डिग्री आर्मर बॉडी है, जो अंदर से बाहर तक सुरक्षा प्रदान रकती है। यह स्विस एसजीस प्रीमियम परफॉर्मेंस स्टैंडर्ड और एमआईएल-एसटीडी-810एच विधि 516.8 द्वारा सर्टिफाईड है। इन सभी बेहतरीन खूबियों और विस्तृत, बॉर्डरलेस डिस्प्ले, शानदार कैमरा, एवं शक्तिशाली प्रोसेसर जैसी विशेषताओं के साथ यह स्मार्टफोन स्लिम और लाईटवेट तो है ही, साथ ही एक मजबूत एवं स्टाईलिश बिल्ड में भी आता है।

शब्द सामर्थ्य -089

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. रूचिकर लगने वाली, रूचि के अनुकुल, चुनी हुई 3. राजाओं के बैठने का आसन 6. श्रमिक 7. कार्य, काज 9. वाद्ययंत्र आदि बजाने वाला 10. सहारा, सहायक वस्तु 11. शर्म, लाज, हया 12. मक्खन, माखन 14. श्रीमती राबड़ी देवी इस प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं 15. चंद्रमा, रजनीश, चांद 18. पुस्तक 20. अवधि, समय 21. तर्क वितर्क और कहा-सुनी, जबानी झगड़ा 22. सूरत, आकार 23. झुका हुआ, नत।

ऊपर से नीचे
1. पंद्रह दिन का समय, शुक्ल या कृष्ण पक्ष 2. आग बुझाने की मशीन 3. हिंदु विवाहित स्त्री के मांग में भरने का लाल चूर्ण 4. पराजय, माला 5. मुंह ढकने का कपड़ा, घुंघट 8. चंदन, दक्षिण का एक पर्वत 10. व्यवस्थित करना, सजाना, स्वभाव आदि का परिष्कार, शुद्ध संबंधी कृत्य 12. विशालता, बड़प्पन, महान होने का भाव 13. अड़चन, रुकावट 15. जमीन के अंदर गहरा और लंबा रास्ता, अच्छे रंग का 16. बेवकूफ, मूर्ख, अहमक 17. औसत के हिसाब से 18. कृषक 19. अधिक, ज्यादा।

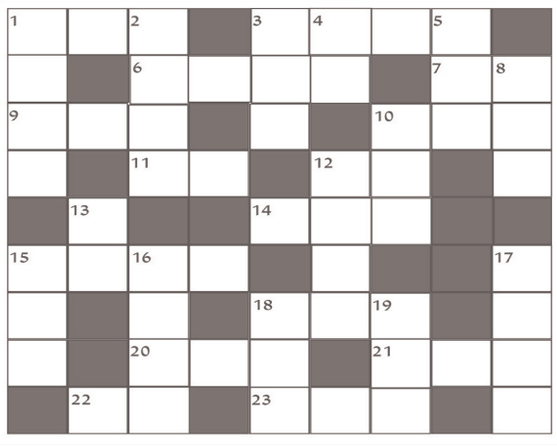

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 088 का हल

ज	ल	■	आ	वा	जा	ही	■	■
मा	■	खू	ब	■	दू	र	स्थ	■
ना	दा	न	■	सा	ग	■	ल	क्ष्य
■	न	ख	■	त	र	ल	■	■
■	वी	रा	न	■	■	च	ट	क
■	र	ब	■	आ	ज	क	ल	■
■	■	■	आ	ग	■	दा	ना	■
■	अ	ग	र	म	ग	र	■	क्रो
भा	भी	■	ती	न	■	■	व	ध

सू- दोकू क्र.089

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.088 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, मंगलवार 18 जून 2024

मुख्यमंत्री साय ने रानी लक्ष्मीबाई के बलिदान को किया नमन

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 18 जून को रानी लक्ष्मी बाई के बलिदान दिवस पर उनकी वीरता, साहस और देशभक्ति को नमन किया है। श्री साय ने कहा है कि झांसी की रानी ने मातृ भूमि के गौरव और स्वाभिमान की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। वे सच्चे अर्थों में वीरांगना थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि रानी लक्ष्मी बाई शौर्य, पराक्रम, साहस की प्रतिमूर्ति और नारी शक्ति की मिसाल हैं, उनका व्यक्तित्व पूरे समाज और देश के लिए प्रेरणा स्रोत है।

संक्षिप्त समाचार

भिलाई पावर हाउस में अमरकंटक एक्सप्रेस चलती ट्रेन में ऑपरेशन जीवन रक्षा के तहत यात्री की बचाई गई जान

रायपुर (विश्व परिवार)। दिनांक 15.06.24 को एक यात्री को जिसका नाम परमेंद्र पांडे पिता एन एन पांडे जो शुभम विहार, बिलासपुर के निवासी है। गाड़ी संख्या 12853 अमरकंटक एक्सप्रेस में भिलाई पावर हाउस रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 01 पर गाड़ी में चढ़ते समय हाथ फिसल जाने से गिरने लगे भिलाई पावर हाउस स्टेशन पर ड्यूटी पर उपस्थित प्रधान आरक्षक एस.के. तिवारी द्वारा बचाया गया। रेलवे सुरक्षा बल द्वारा आपरेशन जीवन रक्षा के तहत ड्यूटी में तैनात जवानों की सक्रियता से ट्रेनों में चढ़ते समय होने वाले हादसा की निगरानी की जा रही है वाणिज्य विभाग द्वारा उद्घोषणा के माध्यम से चलती गाड़ी में न चढ़ने की सलाह यात्रियों को लगातार दी जा रही है। गाड़ी संख्या 12853 अमरकंटक एक्सप्रेस भिलाई पावर हाउस स्टेशन पर 18.42 बजे आगमन कर 18.44 बजे प्रस्थान की। यात्री को किसी प्रकार का चोट नही आई। सीसीटीवी कंट्रोल रूम में यात्री को बिठाकर पानी पिलाकर रेस्ट कराया गया फिर दूसरी ट्रेन से रवाना किया गया।

कृषि विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवको के दल ने स्वच्छता अभियान चलाया

रायपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय सेवा योजना, इंऔदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के छात्र छात्राओ की टीम द्वारा आज दिनांक 17 जून को धरमपुरा- माना एयरपोर्ट मार्ग मे पी डब्लू डी द्वारा बनाये गये छत्तीसगढ की संस्कृति पर आधारित मूर्तियो वाले स्थान को चिन्हित कर स्वच्छता अभियान चलाया, जिसमे सैकड़ो की संख्या मे छात्र छात्राओ ने श्रमदान कर सफाई किये ज्ञात हो कि कुछ दिन पूर्व एक दैनिक समाचार पत्र मे प्रकाशित खबर थी जिसमे पी डब्लू डी विभाग और नगर निगम को इस पर नजर अंदाज करने तथा उनका ध्यान आकर्षित करने विषयक खबर छापी थी, पर उनके द्वारा कोई कदम नही उठाया गया।

अमरगुफा जैतखाम विवाद मामले में जांच करने भाजपा का जांच दल पहुँचा बलौदाबाजार, पीड़ितों से की चर्चा

संत शिरोमणि गुरु घासीदास की तपोस्थली में सबने टेका मत्था, पूजा-अर्चना भी की

कलेक्ट्रेट और एसपी दफ्तर में हुई आगजनी का निरीक्षण कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया

रायपुर/बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव सिंह द्वारा बलौदाबाजार अग्निकांड मामले की जाँच के लिए गठित 5 सदस्यीय जाँच दल सोमवार को बलौदाबाजार पहुँचा। जाँच दल के संयोजक दयालदास बघेल, सदस्य टंकराम वर्मा, शिवरतन शर्मा, नवीन मार्कण्डेय, श्रीमती रंजना साहू ने गिरौदपुरी से 5 किलोमीटर दूर अमरगुफा (महकोनी) में स्थित जैतखाम के क्षतिग्रस्त किए जाने और जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट व एसपी दफ्तर में हुई आगजनी, तोड़फोड़ और पीड़ितों से मुलाकात की और घटना से जुड़े आवश्यक पहलुओं पर गंभीरता से अध्ययन और संबंधित लोगों से चर्चा की।

भाजपा जाँच दल ने प्रारंभिक जाँच में पाया कि इतनी बड़ी संख्या में दूर-दूर से आए लोगों की आने-जाने और खाने की व्यवस्था में विपक्ष की भी भूमिका है, जो आगे और जाँच उपरांत स्पष्ट हो जाएगी। जाँच दल ने यह भी पाया कि अभी तक जो कार्रवाई चल रही है, वह सही दिशा में है। इसके आगे और जो भी पहलू सामने आते जायेंगे, उन पर भी शासन-प्रशासन नजर बनाए हुए हैं और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई हो, इसके लिए सरकार प्रतिबद्ध है। जांच दल ने यह भी स्पष्ट किया कि निर्दोष लोगों को किसी प्रकार की कोई तकलीफ ना हो पाए साथ ही जिनका भी व्यक्तिगत नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई के लिए अधिकारियों से बात भी की गई है।

उन्होंने कहा कि प्रारंभिक तथ्य इस और इशारा कर रहे हैं कि सुनियोजित प्रकार से हिंसा भड़काने का षड्यंत्र रचा गया है। और इसके लिए असामाजिक तत्वों का सहारा लिया गया है। जांच दल ने पाया समाज इस षड्यंत्र में उजागर होते चेहरे को पहचान चुका है वह उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहा है।

पीपीटी प्रवेश परीक्षा 23 जून को

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा पॉलिटेक्निक कॉलेजों में प्रवेश हेतु पी.पी.टी. परीक्षा का आयोजन राज्य के 32 जिला मुख्यालयों में 23 जून 2024 को सवेरे 9:00 से 12:15 बजे तक किया जावेगा। अभ्यर्थी अपनी प्रोफाइल में जाकर प्रवेश पत्र दिनांक 17 जून 2024 से डाउनलोड कर सकते है। इसके अलावा अभ्यर्थी प्रवेश पत्र व्यापम की वेबसाइट vyapam.cgstate.gov.in एवं https://vyapamaar.cgstate.gov.in/ एवं चिप्स की वेबसाइट http://cgstate.gov.in पर उपलब्ध लिकों में से किसी भी एक लिंक पर क्लिक करके अपने प्रोफाइल लॉगिन पेज पर जा सकते हैं एवं वहां से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। अभ्यर्थियों को उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर स्रूव के माध्यम से एक संक्षिप्त यू.आर.एल. भी भेजा जावेगा। अभ्यर्थी इस यूआरएल को क्लिक कर अपने मोबाइल पर सीधे प्रवेश पत्र प्राप्त कर उसका प्रिंट आउट ले सकते हैं। परीक्षा दिवस को प्रत्येक परीक्षार्थी एक घंटे पूर्व अपने परीक्षा केन्द्र में उपस्थित रहें, जिससे उनके मूल पहचान पत्र से उनका पहचान किया जा सके एवं परीक्षा केंद्र में जाने हेतु अनुमति दी जा सके। किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा केन्द्र के सम्बंध में कठिनाई होती है तो हेल्पलाइन नंबर +91-0771-2972780 एवं मोबाइल नंबर +91-8269801982 पर संपर्क कर सकते हैं।

अवन्ति विहार कॉलोनी नाला में नई पुलिया, चौड़ीकरण कार्य शीघ्र करवाने विधायक पुरंदर मिश्रा ने किया भूमिपूजन

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर उत्तर विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा ने आज रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 9 के तहत शहीद वीर नारायण सिंह वार्ड के तहत अवन्ति विहार नाला क्षेत्र में जल भराव की समस्या दूर कर नवीन पुलिया का निर्माण पानी के सुगम निकास प्रबंधन को करवाने और व्यवहारिक आवश्यकता के अनुसार नाला क्षेत्र का चौड़ीकरण करवाने का कार्य अधोसंरचना मद के तहत स्वीकृत लागत से करवाने वार्ड पार्षद श्रीमती सीमा संतोष साहू, जोन 9 जोन कमिश्नर श्री संतोष पाण्डेय, कार्यपालन अभियंता श्री संजय कुमार वर्मा सहित अवन्ति विहार कॉलोनी क्षेत्र के रहवासी गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, नवयुवकों की उपस्थिति में श्रीफल फोड़कर एवं कुदाल चलाकर भूमिपूजन करते हुए प्रारम्भ करवाया. रायपुर उत्तर विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा ने जोन 9 जोन कमिश्नर एवं कार्यपालन अभियंता को शीघ्र स्वीकृति के अनुसार कार्य प्रारम्भ करवाकर तेजी के साथ गुणवत्ता सहित मॉनिटरिंग करते हुए कार्य जनहित में जनसुविधा विस्तार हेतु जल भराव की समस्या क्षेत्र में दूर कर सुगम निकासी प्रबंधन की दृष्टि से पूर्ण करवाना सुनिश्चित करवाने निर्देशित किया. वार्ड पार्षद श्रीमती सीमा संतोष साहू ने क्षेत्र में जलभराव की समस्या दूर कर सुगम निकासी प्रबंधन हेतु कार्य प्रारम्भ करवाने रायपुर उत्तर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा को सभी वार्डवासियों की ओर से हार्दिक धन्यवाद दिया.

प्रदेश भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ छत्तीसगढ़ में उद्योग एवं व्यापार जगत की समस्याओं के निराकरण के लिए प्रतिबद्ध

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ द्वारा अब व्यापारी वर्ग एवीएम उद्योगों की समस्याओं को जिला स्तर पर निराकरण किया जाएगा वही नया रायपुर में होलसेल कोरिडोर के निर्माण, एवं दुकानों के आबंटन संबंधित सुझाव मुख्यमंत्री, वितमंत्री एवं नया रायपुर विकास प्राधिकरण को देने का निर्णय लिया गया है वही नई उद्योग नीति में छत्तीसगढ़ के औद्योगिक विकास के लिए अपने सुझाव उद्योग मंत्री एवं उद्योग सचिव को शीघ्र ही दिए जायेगे, उपरोक्त जानकारी प्रकोष्ठ के प्रचार प्रसार सचिव संतोष बैद ने देते हुए बताया की भाजपा जिला कार्यालय एकात्म परिसर में प्रदेश भाजपा के पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों कि आहूत बैठक प्रदेश संयोजक श्री लाभचंद जी बाफना की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमे सर्वप्रथम सहसंयोजक श्री मुकेश शर्मा, बजरंग खंडेलवाल, एवं सुभाष अग्रवाल ने लोकसभा चुनाव में भाजपा की 11 में से 10 सांसद भाजपा के विजय श्री प्राप्त करने में व्यापार प्रकोष्ठ द्वारा 82 विधानसभा में व्यापारी सम्मेलन के आयोजन जो की श्री लाभचंद जी बाफना के नेतृत्व में सफलता पूर्वक आयोजित किए गए थे की भी प्रमुख भूमिका थी चुनाव में भाजपा के विजय श्री के लिए माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी, प्रदेश अध्यक्ष श्री किरणदेव जी को बधाई का प्रस्ताव पारित किया गया, बैठक

नई उद्योग नीति ,होलसेल कॉरिडोर पर शासन स्तर पर सुझाव देने का निर्णय

में भविष्य की कार्ययोजना पर चर्चा करते हुए निर्णय लिया गया कि प्रदेश एवं जिला स्तर पर व्यापार प्रकोष्ठ द्वारा व्यापारी वर्ग की समस्याओं के त्वरित निदान के लिए संबंधित अधिकारी तथा मंत्रियों से मिलकर उन्हें लिखित सुझाव दिए जायेगे बैठक को प्रदेश संयोजक श्री लाभचंद जी बाफना ने संबोधित करते हुए कहा कि इस लोकसभा में हमारे सभी कार्यकर्ताओं ने भाजपा की जीत के लिए अथक प्रयास किया जिसने सबसे प्रमुख कार्य 90 में से 82 विधानसभा में व्यापारी सम्मेलन का आयोजन था जिसमें हजारों की संख्या में व्यपारी वर्ग ने उपस्थिति दर्ज कराई वही अब छत्तीसगढ़ डबल इंजन की सरकार है छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार है अत: निश्चित रूप से हमारी बात सुनी जाएगी शीघ्र ही माननीय श्री विष्णुदेव साय जी मुख्यमंत्री जी, एवं वितमंत्री श्री ओपी चौधरी जी से मिलकर व्यापार जगत के हित में हम कार्य करेंगे, बैठक को श्री बजरंग खंडेलवाल ने संबोधित करते हुए नए रायपुर में होलसेल कोरिडोर में निर्माण एवं आबंटन में व्यापार प्रकोष्ठ कि सहभागिता निर्धारित करने का प्रस्ताव दिया वही प्रचार सचिव संतोष बैद ने अपने उद्बोधन में नई उद्योग नीति पर उद्योग सचिव को सुझाव देने प्रस्ताव दिया, श्री मुकेश शर्मा ने भी बैठक को संबोधित करते हुए व्यापार प्रकोष्ठ की गतिविधियों को प्रचारित करने एवं उसे प्रदेश पदाधिकारियों के जानकारी में लाने पर जोर दिया श्री सुभाष अग्रवाल जी ने जिला स्तर पर व्यपारियो के हित में जिला इकाई को सक्रिय करने सुझाव दिया बैठक का संचालन प्रकोष्ठ के कार्यालय प्रभारी श्री नीतीश दुबे जी ने करते हुए बैठक में अल्प समय में सभी की उपस्थिति के लिए आभार प्रगट किया बैठक में प्रमुका रूप से सह कार्यालय प्रभारी दिलीप गंगवानी तथा भिलाई से भागचंद जैन, दुर्ग से विष्णु अग्रवाल, कोरबा से हितानंद अग्रवाल राजनांदगांव से मन्नूलाल ठाकुर प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

पंजाब नैशनल बैंक के कार्यपालक निदेशक बिभू प्रसाद महापात्रा ने ली व्यावसायिक समीक्षा बैठक

रायपुर (विश्व परिवार)। पंजाब नैशनल बैंक के कार्यपालक निदेशक श्री बिभू प्रसाद महापात्रा जी का आगमन दिनांक 14 जून 2024 को रायपुर में हुआ। इस अवसर पर अंचल कार्यालय रायपुर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम कार्यपालक निदेशक महोदय की अध्यक्षता में अंचलाधीन मंडल प्रमुखों/एमसीसी/पीएलपी प्रमुखों की व्यावसायिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। तत्पश्चात ओटीएस कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें महापात्रा जी ने बड़े एनपीए खातों में ऋणियों से मुलाकात कर बैंक के दिशा निर्देशानुसार खातों के निपटान की मंजूरी दी।

पंजाब नैशनल बैंक के अंचल प्रबन्धक श्री आशीष चतुर्वेदी जी ने बताया कि इस दौरे का मुख्य उद्देश्य ग्राहकों के साथ सामंजस्य बिठाते हुए उन्हें पंजाब नैशनल बैंक द्वारा चलाई जाने वाली विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित करना था। विभिन्न उद्यमियों और ग्राहकों से रूबरू होते हुए श्री बिभू महापात्रा जी ने बैंक द्वारा ग्राहक केंद्रित उत्पादों के बारे में उनसे विचार-विमर्श किया एवं उन्हें अधिकाधिक स्तर पर उनके लिए विशेष तौर पर बनाए गए उत्पादों का लाभ उठाने के लिए आग्रह भी किया। इस दौरान महापात्रा जी ने लघु उद्यमियों के लिए विशेष तौर पर बनाई गई बैंक की योजनाओं के बारे में चर्चा की और आग्रह किया कि वह बैंक द्वारा चलाई जा रही इन योजनाओं का उपयोग कर देश के समग्र विकास में अपना योगदान दें।

श्री बिभू महापात्रा जी ने कहा कि हमें बैंक के सभी ग्राहकों को बेहतर सुविधाएं देनी हैं। हमें ग्राहकों को समझने की जरूरत है। नई योजनाओं पर बल देते हुए उन्होने बैंक सभी कर्मचारियों से आव्हान किया कि इन योजनाओं का लाभ प्रदेश के सभी नागरिकों को प्राप्त हो। कार्यक्रम में पंजाब नैशनल बैंक, मण्डल कार्यालय, रायपुर के मण्डल प्रमुख श्री वीरेंद्र कुमार शर्मा एवं उप अंचल प्रबंधक श्री पी अरुण कुमार राव जी मुख्य रूप से उपस्थित थे।

बच्चों के सर्वांगीण विकास पर करें फोकस : अजय मधुकर काले

महाराष्ट्र मंडल के संत ज्ञानेश्वर स्कूल में शिक्षक स्टाफ को संबोधित किया अध्यक्ष

रायपुर (विश्व परिवार)। महाराष्ट्र मंडल के संत ज्ञानेश्वर स्कूल में शिक्षण सत्र 2024- 25 के लिए टीम बिल्डिंग सेशन के अंतिम सत्र में महाराष्ट्र मंडल के अध्यक्ष और मोटिवेशनल स्पीकर अजय मधुकर काले ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास पर फोकस करें। बच्चों को पढ़ाने और काबिल बनाने की जिम्मेदारी आपकी है।

मंडल अध्यक्ष ने कहा कि आपको क्लास में सभी बच्चे एक समान नहीं मिलेंगे। ऐसे में जिन बच्चों का प्रदर्शन कमजोर है, उन पर आप फोकस करें। डी ग्रेड के बच्चों को सी और सी ग्रेड के बच्चों को बी, बी के बच्चों को ए ग्रेड में अपडेशन करने के लिए काम करें। काले ने कहा कि अच्छे बच्चों को तो कोई भी पढ़ा लेगा। एक क्लास में अधिकतम 40 बच्चे है, ऐसे में कमजोर बच्चों को सूचीबद्ध करें और उन पर फोकस करें। मैं नहीं कहता कि मुझे स्कूल का रिजल्ट शत-प्रतिशत चाहिए। मैं चाहता हूं कि आप अपना 100 परसेंट जरूर दें।

अजय काले ने कहा कि साल में 150- 160 दिन ही स्कूल लगते हैं। ऐसे में आपको इतने ही समय में बच्चों को तैयार करना है। आप सभी अपना टारगेट फिक्स करें कि हमें इस वर्ष क्या अच्छा और अलग करना है। इस टारगेट को अपने घर के आईने पर लिखे। हर सप्ताह इसे रिवाइज करें। ऐसा करने से जब आप अपने टारगेट को पूरा नहीं कर पाएंगे, तो आईने के सामने जाने से आपको खुद शर्म आएगी और आप अपने टारगेट को पूरा करने दोगुना मेहनत करेंगे।

कोसा एवं कॉटन हाथकरधा वस्त्र
20% छूट
प्रदर्शनी सह-विक्रय
स्थान : स्वामी विवेकानंद भवन, कवर्धा
कोसा एवं कॉटन के आकर्षक आईटम
उत्कृष्ट कलात्मक कोसा साड़ियाँ, कोसा मलमल, कोसा ड्रेस मटेरियल, कोसा सलवार सूट, कोसा बाफ्ता साड़ी, सूती साड़ियाँ, शर्टिंग, बेडशीट, पिलो कव्हर, लुंगी, टॉवेल, नेपकीन, सलवार सूट, दुपट्टा, कुर्ता-पायजामा, गमछा, दरी, मच्छरदानी इत्यादि.....
16 जून से 22 जून 2024 तक
::समय::
प्रात: 11 बजे से रात्रि 9 बजे तक
विभिन्न आकर्षक डिजाईनों एवं मनमोहक रंगों में उपलब्ध है
प्रायोजक : ग्रामोद्योग विभाग, हाथकरधा, छ.ग. शासन

एसीसी चिल्हाटी साइट पर अदाणी फाउंडेशन ने अपने प्रयासों से ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाया

ई-सेवाओं के लाभ को आसान बनाने के लिए लोहरसी गांव में कॉमन सर्विस सेंटर स्थापित

बिलासपुर (विश्व परिवार)। विविध कारोबार वाले अदाणी पोर्टफोलियो की सीमेंट और निर्माण सामग्री कंपनी एसीसी लिमिटेड ने अपने संयंत्रों के नजदीकी इलाकों में रहने वाले ग्रामीण समुदायों के लिए स्थायी आजीविका को सक्षम करने की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ कदम उठाए हैं। एसीसी ने अदाणी फाउंडेशन के साथ मिलकर छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में अपनी एसीसी चिल्हाटी साइट के पास कई गांवों में प्रभावशाली कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहलों की एक श्रृंखला शुरू की है। इन कदमों के जरिये आत्मनिर्भरता और स्थायी आजीविका को बढ़ावा देने और ग्रामीण समुदायों के लिए जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने का प्रयास पूरी जिम्मेदारी के साथ किया जा रहा है।

सीएसआर टीमों ने 'सप्त सरोवर' परियोजना के तहत बोहारडीह गांव में सात छोटे तालाबों को जोड़ा है, जिससे दैनिक जरूरतों के लिए वर्षा जल संचयन में वृद्धि हुई है। इस तरह 1,200 निवासियों और 70 एकड़ कृषि भूमि को लाभ हुआ है। एसीसी और अदाणी फाउंडेशन ने बोहारडीह में 64 किसानों के लिए सौर ऊर्जा चालित लिफ्ट सिंचाई प्रणाली भी शुरू की है। अपने 54 एकड़ खेत के लिए पानी की नियमित सप्लाई मिलने से ये किसान परिवार एक के बजाय साल में तीन फसलों की खेती करने के लिए सक्षम हो गए हैं, जिससे स्वाभाविक तौर पर उनकी पैदावार और आय में वृद्धि हुई है।

लोहरसी गांव में, डिजिटल पहुंच को बढ़ाने के लिए एक कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) स्थापित किया गया है, जिससे अब तक लगभग 1,000 परिवारों को कुल मिलाकर 1.1 करोड़ रुपए की सरकारी ई-सेवाओं का लाभ मिला है। इसमें यहां के वाशिंदों को एबीएचए स्वास्थ्य योजना से जोड़ना भी शामिल है, जिससे करीब 50 लाख रुपए का लाभ हुआ है। इस सफलता को देखते हुए यहां अब दो और सीएससी खुलने वाले हैं। घर-घर स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता देते हुए, एसीसी और अदाणी फाउंडेशन ने छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में 16 गांवों को कवर करने के लिए एक मोबाइल स्वास्थ्य इकाई (एमएचयू) प्रदान की है। इस पहल से अब तक 7,400 से अधिक निवासियों को लाभ हुआ है, पांच गांवों में अतिरिक्त नेत्र जांच शिविर आयोजित किए गए हैं, जिसमें 972 रोगियों को मुफ्त नेत्र देखभाल प्रदान की गई है और 168 स्कूली बच्चों की आंखों के फ्लू की जांच की गई है।

सीएसआर टीमों ने गोडाडीह गांव में 25 स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की 60 महिलाओं को प्रशिक्षित किया है। ये ऐसी महिलाएं हैं, जो मशरूम की खेती और झाड़ू बनाने, मोमबत्ती बनाने, अगरबत्ती बनाने और चूड़ी बनाने जैसे गैर-कृषि व्यवसाय उपक्रमों पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। इन पहलों का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं के बीच आत्मनिर्भरता और वित्तीय स्वतंत्रता को बढ़ावा देना है। स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के बीच लीडरशिप का कौशल विकसित करने के लिहाज से नियमित तौर पर बैठकों का आयोजन भी किया जाता है। लोहरसी गांव में आर्थिक विकास में तेजी लाने और यहां मवेशियों की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए सीएसआर टीमों ने एकीकृत पशुधन विकास परियोजना (आईएलडीपी) शुरू की है।

राइनोप्लास्टी
नाक को सही (रिशेपिंग) करना
कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कांस्मेटिक सर्जरी सेंटर
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay 9827144371

लोन लेने के लिए ITR बनवायें मात्र 500/- में
शेखर गुप्ता ONLYTDS.COM
ITR GST
हमारे TAX Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
G.S.T. रिटर्न Food Licence
इन्कम TAX फाईल M.S.M.E. रजिस्ट्रेशन
TDS रिफंड प्रोजेक्ट रिपोर्ट
IT नोटिस डिजिटल सिग्नेचर
9300755544, 8878655544

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354